प्रश्न बैंक

कक्षा-बारहवीं

हिंदी ऐच्छिक (कोड-002)

नोट- प्रत्येक प्रश्न के साथ उत्तर निर्माण हेतु सांकेतिक मूल्य बिंदु प्रदान किए गए हैं।

पाठ्यपुस्तक- अंतरा भाग 2

काव्य-खंड

पाठ 1 – जयशंकर प्रसाद

देवसेना का गीत

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष

1. 'देवसेना का गीत' कविता के आधार पर लिखिए कि देवसेना के जीवन की विडंबना किसे कहा गया है और क्यों ?
सांकेतिक मूल्य-बिंदु-
• विडंबना :-
  • उचित समय पर स्कंदगुप्त के प्रेम को प्राप्त न कर पाना
  • देवसेना का जीवनभर संघर्ष करना
• क्यों:-
  • स्कंदगुप्त को प्राप्त न कर पाना
  • राष्ट्र सेवा के व्रत को पूर्ण करने में असफल
	2	वार्षिक	2025

2. 'मैंने निज दुर्बल पद-बल, उससे हारी होड़ लगाई 'देवसेना का गीत' से उद्धृत इस पंक्ति से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • शक्ति-सामर्थ्य और साधनों के सीमित होने पर भी परिस्थितियों से हार न मानना और उनसे लड़ना			
3. 'देवसेना का गीत' से उधृत 'मेरी करुणा हा हा खाती' पंक्ति के संदर्भ में देवसेना की विरह वेदना को स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु-			

• स्कंदगुप्त के प्रति प्रेम की आकांक्षा का पूरा न होना • प्रेम में असफलता-जन्य निराशा व पीड़ा • जीवन रूपी संघर्ष में हार के कारण उसका करुणा से भर जाना और करुणा का यह चरम उसके लिए दुखदायी बन जाना 4. देवसेना के जीवन-संघर्ष को अपने शब्दों में लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पिता व भाई की मृत्यु के पश्चात अपने राष्ट्र की चिंता • हूणों से प्रतिशोध न ले पाना • प्रेम में असफलता • आश्रम में जीवन व्यतीत करना • अकेलापन • आशाविहीन और पश्चाताप से भरा जीवन 5. "देवसेना के जीवन-संघर्ष से आधुनिक स्त्री अपने जीवन-संघर्ष की दिशा नहीं पा सकती है।" - कथन की सहमति में उचित तर्क लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • देवसेना का जीवन प्रेम की विफलता के बाद पश्चाताप और रुदन के साथ भिक्षाटन में सीमित • देवसेना अपनी संभावित सफलता के लिए पूर्णतः स्कंदगुप्त पर निर्भर • देवसेना का भावुकतापूर्ण प्रेम • आधुनिक स्त्री की चुनौतियाँ भिन्न देवसेना के त्याग और वैराग्य भरे जीवन से आधुनिक स्त्री का प्रेरणा न ले पाना 6. 'देवसेना का गीत' वेदना और निराशा के मनोभावों का एक चित्र है – कैसे ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रेम का प्रतिदान न मिलना • अंतहीन प्रतीक्षा करना • असमय बन्धु-बांधवों का बिछोह • जीवन की अभिलाषाओं का अपूर्ण रहना			

• जीवन की सांध्य-बेला तक किसी सुख की प्राप्ति नहीं			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
7. 'देवसेना का गीत' कविता से उद्धृत 'मेरी आशा आह! बावली, तूने खो दी सकल कमाई' पंक्तियों में आशा को बावली कहने के पीछे क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जीवन के यथार्थ को न समझने के कारण • स्कंदगुप्त को प्राप्त करने की आकांक्षा में जीवनभर भ्रम में रहने के कारण • निर्णय लेने की क्षमता के प्रभावित होने के कारण	2	पूरक	2025

कार्नेलिया का गीत

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'कार्नेलिया का गीत' कविता में भारत की गौरव गाथा का वर्णन कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- प्राकृतिक सौंदर्य - • सबसे पहले सूरज की किरणों का भारत में सुंदर ढंग से प्रस्फुटित और प्रसारित होना • रंगबिरंगे पक्षियों का आकाश में आनंद से उड़ना सांस्कृतिक सौंदर्य:- • अनजान लोगों को भी आश्रय देना • दूसरों के दुख में उन्हें सहारा एवं शांति देना	2	पूरक	2025

पाठ 2 – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

सरोज स्मृति

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'सरोज-स्मृति' कविता एक भाग्यहीन पिता के पुत्री के प्रति कुछ न कर पाने की व्यथा है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पुत्री के प्रति कुछ न कर पाने के अपराध-बोध से ग्रसित पिता की भावात्मक अभिव्यक्ति • पिता के रूप में अपनी व्यथा और विवशता को व्यक्त करना • आजीवन अपने ही संघर्षों में लीन रहना • आर्थिक स्थिति और कुछ न कर पाने के कारण स्वयं को भाग्यहीन मानना • पुत्री का लालन-पालन स्वयं न करके उसे ननिहाल छोड़ना • पुत्री की मृत्यु पर अपने सत्कर्मों से उसका तर्पण करना 2. 'सरोज-स्मृति' कविता के माध्यम से निराला का जीवन संघर्ष प्रकट हुआ है।" कथन की पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • निराला के जीवन-संघर्ष और पीड़ा की मार्मिक अभिव्यक्ति • जीवन-भर के अभावों की पीड़ा • पुत्री के लिए कुछ न कर पाने की विवशतापूर्ण व्यथा • तात्कालिक सामाजिक रूढ़ियों से संघर्ष 3. 'सरोज-स्मृति' कविता के आधार पर लिखिए कि सरोज का विवाह करते समय निराला जी को 'शकुंतला' का स्मरण क्यों हो आया ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • दोनों ही मातृविहीन • दोनों का ही पालन-पोषण और वैवाहिक रीतियों का निर्वहन पिता द्वारा	2	वार्षिक	2025

4. 'सरोज स्मृति' कवि का एक शोक गीत है।' तर्कपूर्ण उत्तर से सिद्ध कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पत्नी और पुत्री दोनों के असामयिक निधन की व्यथा • कुछ न कर पाने की पीड़ा की अभिव्यक्ति • निराला के शोक संतप्त हृदय का मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी उद्गार • पत्नी और पुत्री के असामयिक निधन से आहत • कुछ न कर पाने की विवशताजन्य पीड़ा की अभिव्यक्ति 5. 'सरोज-स्मृति' कविता के आधार पर पुत्री के असमय देहांत के पश्चात कवि पिता की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- कवि पिता की मनः स्थिति : • शोक-संतप्त • स्मृति-विलाप • सत्कर्मों द्वारा तर्पण • कुछ न कर पाने का पश्चाताप • स्वयं को भाग्यहीन मानना • कर्म पर वज्रपात जैसी आशंका • दुख की कथा मन में ही रखते हुए विह्वल 6. 'मुझ भाग्यहीन की तू संबल' कवि स्वयं को भाग्यहीन क्यों कह रहा है ? उसका संबल कौन है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- भाग्यहीन क्यों:- • अभावों और संघर्षों से भरा जीवन • पत्नी और पुत्री की असामयिक मृत्यु • कुछ न कर पाने की विवशता संबल - पुत्री सरोज			

7. 'सरोज स्मृति' कविता में कवि 'स्वर्गीया प्रिया' को क्यों और किस रूप में याद कर रहा है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विवाह के समय पुत्री के सौन्दर्य में पत्नी के सौन्दर्य की झलक • अपने युवावस्था के प्रेम का स्मरण हो आना • पत्नी के साथ अनुराग और श्रृंगार के गीतों का स्मरण 8. 'दुख ही जीवन की कथा रही' पंक्ति के आलोक में निराला जी के जीवन के दुखों का वर्णन कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आजीवन संघर्षरत • अपनी पत्नी और पुत्री की असामयिक मृत्यु का दुख असहनीय • आर्थिक अभाव • पुत्री हेतु कर्त्तव्य पालन न कर पाने का दुख 9. 'कन्ये गत कर्मों का अर्पण कर, करता मैं तेरा तर्पण' पंक्ति के संदर्भ में निराला जी की विवशता और पीड़ा का वर्णन कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • निराला के शोक-संतप्त हृदय का मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी उद्गार • पुत्री के असामयिक निधन से आहत • कुछ न कर पाने की विवशता • प्रायश्चित करते हुए अपने सभी कर्मों का सुफल पुत्री को अर्पित करके उसका तर्पण करना			

पाठ 3 – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय

यह दीप अकेला

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
	2	वार्षिक	2025

1. 'यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा' पंक्ति के संदर्भ में लघु मानव की विशेषता स्पष्ट कीजिए। 'यह दीप अकेला' कविता की पंक्ति के संदर्भ में लघु मानव की विशेषता स्पष्ट कीजिए ।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- दीपक मानव का प्रतीकार्थ
- प्रत्येक मानव योग्यता और क्षमता से परिपूर्ण
- समाज का अंग होकर भी उसका अपना पृथक अस्तित्व
- लघु होने के बावजूद आत्मविश्वास से भरा हुआ

2. 'यह दीप अकेला' कविता के आधार पर लिखिए कि व्यष्टि के समष्टि में विसर्जन से समाज किस प्रकार लाभान्वित होगा।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- समाज का विकास
- समाज और राष्ट्र का मजबूत होना
- आत्मबोध का विश्वबोध में रूपांतरण

3. 'यह दीप अकेला' कविता में दीप को 'पनडुब्बा' और 'समिधा' कहकर किस सत्य से अवगत कराया है ?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- दीपक व्यक्ति का प्रतीक
- 'पनडुब्बा'- जीवन की गहराई से सत्य रुपी मोती को खोजकर लाने वाला व्यक्ति
- 'समिधा'- समाज में चेतना और जागृति का संचार करने वाला व्यक्ति
- अर्थात हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व और उसके भीतर छिपी संभावनाएँ

मैंने देखा, एक बूँद

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'एक बूँद' कविता क्षण के महत्त्व को केन्द्र में रखकर लिखी गई है इस कथन के आलोक में कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जीवन की क्षणभंगुरता • प्रत्येक क्षण का महत्त्व • विराट में समाहित छोटा कण भी स्वतंत्र रूप से महत्त्वपूर्ण • समुद्र से अलग हुई एक बूँद के रूप में व्यक्ति का स्वतंत्र अस्तित्व 2. 'एक बूँद' कविता में प्रयुक्त 'सागर' और 'बूँद' के अर्थ को स्पष्ट करते हुए बूँद के महत्त्व पर टिप्पणी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • सागर - समाज (समष्टि) • बूँद - व्यक्ति (व्यष्टि) • बूँद का महत्त्व - • जीवन की क्षणभंगुरता • प्रत्येक क्षण का महत्त्व • छोटा कण भी स्वतंत्र रूप से महत्त्वपूर्ण • समुद्र से अलग हुई एक बूँद के रूप में व्यक्ति का स्वतंत्र अस्तित्व	2	वार्षिक	2025

पाठ 4 – केदारनाथ सिंह

बनारस

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'जो है वह सुगबुगाता है। जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ' पंक्ति के संदर्भ में 'सुगबुगाने' और 'पचखियाँ फेंकने' का आशय स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सुगबुगाने : जागृति, चेतना का संचार होना, नई उमंग और संकल्प से भर उठना • पचखियाँ फेंकने : नीरसता, जड़ता का त्याग करना, अप्रस्तुत में भी अंकुरण की अभिलाषा 2. 'इसी तरह भरता और खाली होता है यह शहर' पंक्ति के संदर्भ में बनारस शहर के 'भरने' और 'खाली' होने से क्या अभिप्राय है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भरने : रोज लोगों का बनारस शहर में आना, मोक्ष प्राप्ति के लिए वहाँ निवास करना • खाली होने : प्रतिदिन लोगों का बनारस शहर से जाना, अंतहीन शवों को गंगा तट पर ले जाना अर्थात् जीवन-मृत्यु का चक्र निरंतर चलता रहना 3. 'बनारस' कविता में प्रयुक्त 'धीरे-धीरे' विशेषण बनारस शहर की किस विशेषता को प्रकट करता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अपनी संस्कृति से जुड़ा शहर, आधुनिकता की प्रतिस्पर्धा से मुक्त • प्राचीन परम्पराओं और मान्यताओं में अगाध विश्वास • धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय से जुड़ा शहर • अपने ढंग से, अपनी गति से जीना इस शहर की विशेषता 4. 'बनारस' कविता के आधार पर बनारस शहर की धार्मिक पृष्ठभूमि और सामाजिक यथार्थ के एक-एक बिंदु पर प्रकाश डालिए।	2	वार्षिक	2025

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- धार्मिक पृष्ठभूमि : • श्रद्धा, भक्ति और विरक्ति का संगम • आस्था का शहर - काशी और गंगा मोक्ष दायिनी • कर्मकांडों से संचालित सामाजिक यथार्य : • लोगों की भिखारियों के प्रति संवेदना/सहयोग • प्रतिस्पर्धा से परे • शहर का अपनी ही 'रौ' में रहना 5. 'बनारस' कविता में बनारस शहर अपनी संपूर्णता में उभरता है कैसे? सोदाहरण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • बनारस के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक चित्र - भिखारियों से लेकर बंदरों और गंगा से लेकर मंदिरों के चित्र • बनारस के लोगों की जीवन-शैली की झलक • संस्कृति और परंपरा से जुड़ाव • शहर की अपनी ही लय • बनारस में श्रद्धालुओं और पर्यटकों का निरंतर आवागमन 6. सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि 'बनारस' कविता, बनारस शहर के प्रति कवि के मोह की भी अभिव्यक्ति है। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • बनारस की आध्यात्मिकता से कवि को प्रेम • बनारस की परंपरा में विश्वास • उसकी आध्यात्मिकता और आधुनिकता को अलग अलग दृष्टि से देखना • बनारस की कमियों में भी सौन्दर्यात्मक अभिव्यक्ति 7. 'बनारस शहर का धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण वर्षों से वैसा का वैसा बना है।' 'बनारस' कविता के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु-			

• बनारस गंगा के साथ विशिष्ट आस्था का केंद्र • आधुनिकता के समाहार के बावजूद इस शहर की अति प्राचीनता, आध्यात्मिकता और भव्यता में कोई अंतर नहीं • पुराने मूल्य, मान्यताएँ, आस्था, श्रद्धा, विश्वास सभी कुछ धरोहर के रूप में सुरक्षित 8. 'अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर अपनी दूसरी टाँग से बिलकुल बेखबर' -काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • बनारस की प्राचीनता, आध्यात्मिकता और भव्यता चिरस्थायी • आधुनिकता का उसके आध्यात्मिक स्वरूप की आस्था, श्रद्धा और भक्ति पर कोई प्रभाव नहीं 9. 'जो है वहाँ खड़ा है बिना किसी स्तंभ के' 'बनारस' कविता से उद्धृत यह पंक्ति बनारस शहर की किस विशेषता की ओर संकेत करती है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • बनारस शहर की प्राचीनता, आध्यात्मिकता, आस्था, विश्वास, भक्ति जन-जीवन में समाहित होना • आधुनिकता से मुक्त रहकर प्राचीनता, आध्यात्मिकता में सम्पूर्णता का अनुभव करना			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
10. बनारस में वसंत के आगमन का तरीका और प्रभाव का उल्लेख कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • वसंत का अचानक आना • धूलभरी आँधी आना • वातावरण में उल्लास एवं जागरण • भिखारियों और बंदरों में आशा का भाव जागृत होना	2	पूरक	2025

दिशा

कोई प्रश्न नहीं पूछा गया

पाठ 6 – रघुवीर सहाय

वसंत आया

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. वसंत ऋतु के आगमन का कैलेंडर से पता लगना, वर्तमान युग की किस विडंबना की ओर संकेत कर रहा है ? 'वसंत आया' कविता के संदर्भ में लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना • ऋतु-परिवर्तन का बोध अनुभव से नहीं अपितु कैलेंडर से होना • मनुष्य का प्रकृति-सौंदर्य से निरपेक्ष रहना • उसका प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव 2. 'आज के मनुष्य का प्रकृति से रिश्ता टूट रहा है' 'वसंत आया' कविता के संदर्भ में इस विषय पर अपने विचार लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आधुनिक जीवन की व्यस्त शैली में मनुष्य का प्रकृति • सौंदर्य से निरपेक्ष रहना • उसका प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव • ऋतु-परिवर्तन का बोध अनुभव से नहीं अपितु कैलेंडर से होना 3. 'वसंत आया' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • आधुनिक जीवन की व्यस्त शैली में मनुष्य का प्रकृति सौंदर्य से निरपेक्ष रहना • उसका प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव • ऋतु-परिवर्तन का बोध अनुभव से नहीं अपितु कैलेंडर से होना 4. वसंत ऋतु में होने वाले परिवर्तनों का वर्णन 'वसंत आया' कविता के आधार पर कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु-	2	वार्षिक	2025

• हवा में गरमाहट • पत्ते झड़ना, सूखकर चरमराना • चिड़ियों की कुहुक सुनाई देना • वृक्षों में कोंपलें फूटना • आम पर बौर आना • ढाक/टेसू/पलाश के फूल खिलना • कोयल का कूकना • भौरे का गुँजार करना 5. महानगरीय जीवन में मनुष्य प्रकृति से दूर हो गया है- इस बात को 'वसंत आया' कविता किस प्रकार रेखांकित करती है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • ऋतु परिवर्तन का बोध अनुभव के बजाय कैलेंडर से होना • प्रकृति से नाता टूटना • प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
6. 'वसंत आया' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि आज का मनुष्य प्रकृति के नैसर्गिक सौंदर्य की अनुभूतियों से वंचित है। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • वसंत ऋतु के परिवर्तन को अनुभूत न कर पाना • प्राकृतिक परिवर्तनों को दफ्तर की छुट्टी या कलैंडर के माध्यम से जानना • प्राकृतिक उपादानों से अपरिचित रहना	2	पूरक	2025

तोड़ो

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. "तोड़ो' कविता का कवि सृजन का आकांक्षी है, विध्वंस का नहीं।' सिद्ध कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • 'तोड़ो' के मूल में भी सृजन	2	वार्षिक	2025

• 'तोड़ो' के माध्यम से नवनिर्माण की प्रेरणा • मन की बंजर प्रकृति (ऊब और खीझ) को तोड़ने की बात करना क्योंकि यह सृजन में बाधक 2. 'तोड़ो' कविता का कवि क्या तोड़ने की बात करता है और क्यों ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • क्या- • समाज में व्याप्त रूढ़ियाँ, अन्धविश्वास, झूठे बंधनों को तोड़ना • मन में व्याप्त ऊब तथा खीझ को तोड़ना • क्यों- • सृजन के लिए भीतरी (मन) और बाहरी बाधाओं (रूढ़ियों) को तोड़ना आवश्यक 3. 'तोड़ो' कविता के संदर्भ में लिखिए कि 'जोड़ने' से पूर्व 'तोड़ने' की प्रक्रिया क्यों आवश्यक है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • जमीन में गुड़ाई करके बीजारोपण करने से पूर्व पथरीली जमीन को उपजाऊ खेत में बदलने के लिए पत्थरों, चट्टानों को तोड़ना आवश्यक, तभी बीज का पोषण संभव • इसी प्रकार मन में भावों और विचारों के पोषण के लिए झुंझलाहट, • चिढ़न, कुढ़न आदि विकारों को दूर करना आवश्यक, तभी सृजन की प्रक्रिया संभव 4. "तोड़ो' कविता में विध्वंस की नहीं बल्कि सृजन की प्रेरणा दी गई है' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • 'तोड़ो' के माध्यम से नवनिर्माण की प्रेरणा • तोड़ो के मूल में ही सृजन • सृजन के लिए मन की ऊब, खीझ और जड़ता को तोड़ना • समाज में व्याप्त रूढ़ियों और कुरीतियों को दूर करना			

5. 'तोड़ो' कविता का कवि किन झूठे बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है? उसने धरती के प्रति कैसे भाव व्यक्त किए हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाज के झूठे बंधन • कुरीतियों - रूढ़ियों के बंधन तोड़ने की बात; • धरती में उर्वरता, कोमलता और रस का भाव			

पाठ 7 – तुलसीदास

भरत-राम का प्रेम, पद

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. तुलसीदास के 'भरत' आदर्श भाई का एक मानक प्रस्तुत करते हैं, कैसे? पाठ्यक्रम में पढ़े हुए अंश के आधार पर लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भाई के प्रति अगाध प्रेम और श्रद्धा • त्याग की भावना • अन्य को दोष न देकर सभी अनर्थों का मूल स्वयं को मानना • राम को वापस अयोध्या लाने के लिए अनुनय-विनय करना 2. 'भरत राम का प्रेम' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि भरत स्वयं को सभी अनर्थों का मूल क्यों मानते हैं। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भरत की माता कैकेयी द्वारा दशरथ से भरत के लिए राजगद्दी और राम के लिए वनवास माँगना • परिणामस्वरूप राजा दशरथ की मृत्यु, माताओं का वैधव्य, अयोध्यावासियों का दशरथ, राम, सीता और लक्ष्मण से वियोग	2	वार्षिक	2025
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
3. तुलसीदास के पद की पंक्ति 'रहि चकि चित्रलिखी सी' का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • राम के वनगमन की याद आने पर कौशल्या का चित्र के समान स्थिर हो संज्ञाशून्य होना • असीम वेदना और वात्सल्य वियोग से कौशल्या की दशा मार्मिक होना 4. तुलसीदास ने 'भरत-राम का प्रेम' कविता में भरत के आत्म-परिताप में उनके चरित्र की क्या विशेषता बताई है ? (s) सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भाई के प्रति अगाध प्रेम और विश्वास • राम के वनगमन हेतु स्वयं को दोषी मानना • विनम्र, निर्मल, उदार और विशाल हृदय	2	पूरक	2025

पाठ 8 – मलिक मुहम्मद जायसी

बारहमासा

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. बारहमासा के आधार पर जायसी के काव्य सौंदर्य पर एक टिप्पणी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • राजा रत्नसेन के प्रवास पर रानी नागमती की विरह अवस्था का मार्मिक चित्रण • विरह-काव्य/वियोग की अतिशयोक्तिपूर्ण अभिव्यक्ति • भाषा-अवधी • माधुर्य गुण • छंद-दोहा-चौपाई	2	वार्षिक	2025
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
2. जायसी ने माघ महीने की विरहिणी की अनुभूति का वर्णन किस प्रकार किया है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • माघ महीने में विरहिणी नागमती का अपने पति के वियोग में शीत के कारण जड़वत् होना • उसके मन का पति के वियोग में काँपना • नायिका के आँसुओं का उसके शरीर पर बाण की तरह चुभना	2	पूरक	2025

पाठ 9 – विद्यापति

पद

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'जब मन दुःखी होता है तो सुंदरता भी हमें अपनी ओर आकृष्ट नहीं कर पाती ।' विद्यापति रचित 'पद' के आधार पर सिद्ध कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सुख-दुःख का संबंध मन से • मन के दुखी होने पर सुन्दरता के उपादान भी निष्प्रभावी • पुष्पित वन को देखकर कमलमुखी नायिका का अपने नेत्रों को मूँद लेना • कोयल की मीठी कूक और भौंरों की मधुर गुंजार सुनकर • नायिका का कानों को बंद कर लेना 2. 'कुसुमित कानन हेरि कमल' पद के आधार पर श्रीकृष्ण के वियोग में राधा की स्थिति का वर्णन कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • श्रीकृष्ण के वियोग में राधा का क्षीणकाय होना • पुष्पित वन को देखकर कमलमुखी नायिका का अपने नेत्रों को मूँद लेना • कोयल की मीठी कूक और भौंरों की मधुर गुंजार सुनकर नायिका का कानों को बंद कर लेना • प्राकृतिक उपादानों का उसकी पीड़ा को बढ़ाना • कातर दृष्टि से चहुँ ओर कृष्ण को ढूँढना 3. प्रेम अनुभूति का वर्णन करना नायिका के लिए कठिन क्यों है ? विद्यापति रचित 'पद' के आधार पर लिखिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रेम अनुभूतिजन्य • प्रेमाभिव्यक्ति शब्दातीत • प्रेम का स्वरूप पल-पल परिवर्तित	2	वार्षिक	2025

4. विद्यापति और जायसी की नायिकाओं में किस प्रकार की समानता है? पठित पदों के आधार पर किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- दोनों के ही प्रिय परदेस में
- दोनों की नायिकाएँ विरह से व्यथित
- प्राकृतिक उपादान दोनों के लिए कष्टदायी
- प्रिय वियोग में दोनों की नायिकाओं का कृशकाय होना

5. नयन न तिरपित भेल के आधार पर विद्यापति की नायिका की मनोदशा स्पष्ट कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- आजीवन प्रिय का रूप निरखते हुए भी नायिका के नेत्र अतृप्त रहना
- नायिका की आँखों में प्रिय के दर्शन की अभिलाषा बनी रहना

6. विद्यापति की नायिका को क्यों लगता है कि लोग उसके 'दारुण दुख' पर विश्वास नहीं करेंगे ? उसके दुख का कारण स्पष्ट करते हुए लिखिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- नायिका के दुःख से तदानुभूति न होने के कारण लोग इस बात पर यकीन नहीं करेंगे कि पीड़ा हरने वाला भी पीड़ा दे सकता है।

दुख का कारण:-

- कृष्ण का गोकुल से मथुरा जाना
- नायिका का मन भी कृष्ण के साथ ही चले जाना
- कृष्ण द्वारा सुध न लेना

7. विद्यापति के पदों में वर्णित नायिका की दशा कैसी है? उसके प्रति आपके मन में कौन-से भाव उभरते हैं?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- नायिका की दशा :
- विरह में संतप्त

• प्रिय की प्रतीक्षा में कृशकाय • नायक के प्रति पूर्ण समर्पणभाव • प्रेम में पूरी तरह डूबी हुई भावः- नायिका के प्रति संवेदना और सहानुभूति 8. विद्यापति की नायिका के दारुण दुख का क्या कारण है? लोगों के प्रति उसका क्या भाव है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कृष्ण का गोकुल छोड़कर मथुरा चले जाना • श्रीकृष्ण के साथ नायिका के मन का चला जाना • लोगों का मन हर लेने की बात पर विश्वास न करना			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
9. 'कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि' पद के आधार पर लिखिए कि प्राकृतिक उपादानों का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • खिले हुए फूल और प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर प्रेम का उद्दीप्त होना • कोयल/भौरों की आवाज़ सुनकर नायिका की विरह वेदना का असहनीय होना • प्रिय-मिलन की आतुरता का बढ़ना 10. विद्यापति ने कृष्ण के दर्शन करते रहने पर भी नायिका के तृप्त न होने का जो वर्णन किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।(s) सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रेम में तृप्ति- प्रेम की समाप्ति • प्रेम की पल-पल नूतन अनुभूति • नायिका और कृष्ण का प्रेम मानवीय प्रेम से इतर उदात्त और आध्यात्मिक अनुभूति का प्रेम • प्रेम का अनुभव अवर्णनीय	2	पूरक	2025

पाठ 11 – घनानंद

कवित्त

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. घनानंद सुजान को कौन-सा संदेश दे रहे थे? उस संदेश की मार्मिकता स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • वियोग में अपनी मरणासन्न अवस्था का • सुजान से मिलने की उत्कंठा में प्राणों का अटकना मार्मिकता : • मृत्यु की निकटता में भी प्रिये की राह देखना 2. घनानंद के 'कवित्त' के आधार पर उनकी नायिका की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (कोई दो विशेषताएँ अपेक्षित) सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अभिमानिनी नायिका • घनानंद के प्रेम की उपेक्षा • प्रेम के महत्त्व को न समझने वाली • कठोर हृदय	2	वार्षिक	2025

गद्य खंड:

पाठ 1 – रामचंद्र शुक्ल

प्रेमघन की छाया स्मृति

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'परिवेश का व्यक्तित्व निर्माण पर प्रभाव पड़ता है' आचार्य रामचंद्र शुक्ल के व्यक्तित्व के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • परिवेश व्यक्तित्व निर्माण का महत्त्वपूर्ण घटक • परिवेश से ही व्यवहार, सोच और भावनाओं को आकार मिलना • घर के साहित्यिक परिवेश के कारण आचार्य शुक्ल का हिंदी साहित्य, हिंदी भाषा और साहित्यकारों के प्रति झुकाव 2. 'हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति शुक्ल जी का रुझान बाल्यकाल से था।' 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पिता द्वारा 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' के किए जाने वाले वाचन को ध्यान से सुनना • भारतेंदु हरिश्चन्द्र के नाटकों का अच्छा लगना • घर में आने वाली पत्र-पत्रिकाओं को ध्यान से पढ़ना और पढ़ने के लिए पुस्तकालय जाना • डेढ़ मील का लंबा सफर तय कर प्रेमघन जी की पहली झलक देखने के लिए मित्रों के साथ जाना 3. 'उपाध्याय बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' जी के बातचीत करने में एक विलक्षण वक्रता थी।' उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • चौधरी साहब बातचीत की कला में प्रवीण • उनके मुँह से निकली हर बात का ढंग निराला • उदाहरण: नौकर से संवाद, पंडित जी से संवाद	2	वार्षिक	2025

4. 'प्रेमघन जी विनोदी स्वभाव के थे।' इस कथन के समर्थन में 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ से उदाहरण दीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • चौधरी साहब और पंडित जी के बीच का वार्तालाप-"जल ही खाया है कि कुछ फलाहार भी पिया है? " • चौधरी साहब और उनके नौकर के बीच का वार्तालाप "कारे बचा त नाहीं" 5. 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ में साहित्यकारों से शुक्लजी के प्रेम की झलक प्रस्तुत की गई है। आप अपने जीवन में किस साहित्यकार से और क्यों प्रभावित हैं ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कोई भी साहित्यकार क्यों ? • उनके आदर्श, विचार, समाज-सेवा आदि • लेखन शैली, विषयवस्तु आदि साहित्यिक विशेषताएँ 6. 'प्रेमघन चौधरी एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे।' 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • उनकी हर अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकना • लड़के का पान की तश्तरी लिए उनके पीछे टहलना • उनके यहाँ वसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर खूब नाचरंग और उत्सव होना 7. 'प्रेमघन' के व्यक्तित्व की सामंती प्रवृत्तियों को सोदाहरण सामने रखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- सामंती प्रवृत्तियाँ- • रईसी और तबीयतदारी, वसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर नाच-रंग और उत्सव उदाहरण :-			

• लड़के का पीछे-पीछे पान की तश्तरी लिए घूमना • भभकते लैंप को स्वयं हाथ बढ़ा कर न बुझाना, नौकर को आवाज़ देते रहना 8. लेखक और उनके साथी 'प्रेमघन' को 'पुरातत्व की दृष्टि' से क्यों देखते थे? उनकी दृष्टि में किन बातों का मिश्रण था ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पुरानी पीढ़ी/भारतेन्दु मंडल के होने के कारण • उनके प्रति प्रेम और कौतूहल का सम्मिश्रण 9. 'उर्दू कानों में हम लोगों की बोली कुछ अनोखी लगती' पंक्ति के द्वारा लेखक रामचंद्र शुक्ल तत्कालीन भाषिक समाज की किस विशेषता पर टिप्पणी कर रहे थे? हिंदी और उर्दू के संबंध पर आपकी क्या राय है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • लेखक के समाज में उर्दू भाषी लोगों की बहुलता • सामान्य बोलचाल की भाषा में भी उर्दू मिश्रित बोलियाँ प्रचलित • लेखक तथा उनकी मंडली द्वारा तत्सम प्रधान हिंदी का प्रयोग • दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर			

पाठ 2 – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी

सुमिरिनी के मनके

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'घड़ी के पुर्जे' पाठ के संदर्भ में 'घड़ीसाज़' को भी घड़ी खोलकर देखने की इजाज़त न देने का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि इसका क्या दुष्परिणाम होगा। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • घड़ीसाजी के कौशल को आगे न बढ़ने देना अर्थातलोगों को धर्म की बारीकियों से दूर रखना • दुष्परिणामः- • अन्धविश्वास और रूढ़ियों को बढ़ावा • जीवन के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर मठाधीशों का एकाधिकार 2. 'बालक बच गया' प्रसंग के संदर्भ में लिखिए कि स्कूल के वार्षिकोत्सव में बालक से उसकी उम्र और योग्यता से बढ़-चढ़ कर सवाल क्यों पूछे जा रहे थे? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अन्य अध्यापकों द्वारा प्रधान अध्यापक को खुश करने के लिए • अध्यापकों द्वारा अपने अहम् को संतुष्ट करने के लिए • अपने विद्यालय की शिक्षण प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने हेतु 3. 'ढेले चुन लो' पाठ में स्वयंवर संबंधी विभिन्न रीतियों का वर्णन किस उद्देश्य से किया गया है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • लोक में निहित अंधविश्वासों और मान्यताओं का उल्लेख कर उन्हें दूर करना • जीवन के फैसलों के लिए सामाजिक मान्यताओं और विश्वासों पर भरोसा न कर विज्ञान और तर्क की कसौटी पर परखना 4. 'लाखों-करोड़ों कोस दूर के तेज पिण्डों' का उदाहरण 'ढेले चुन लो' पाठ में किस उद्देश्य से दिया गया है? स्पष्ट कीजिए।	2	वार्षिक	2025

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • लोक में निहित अंधविश्वासों और मान्यताओं पर कटाक्ष करने के लिए • जीवन के फैसलों के लिए सामाजिक मान्यताओं और विश्वासों पर भरोसा न कर विज्ञान और तर्क की कसौटी पर परखना			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
5. 'मिट्टी के ढेले' पाठ में जीवनसाथी चुनने के पुराने रीति-रिवाज के संबंध में क्या उल्लिखित है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पेटी के चयन के आधार पर जीवन साथी का चुनाव • मिट्टी के ढेले चुनने के आधार पर वधू चुनना	2	पूरक	2025

पाठ 4 – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

संवदिया

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. हरगोबिन संवदिया था, उसके द्वारा बड़ी बहुरिया के संवाद को न पहुँचाने को आप कहाँ तक उचित मानते हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • मुक्त उत्तर • पक्ष में : संवदिया होने से पूर्व हरगोबिन एक मनुष्य, उसके भीतर भी मानवीय संवेदनाएँ, बड़ी हवेली से उसका संपन्नता के दिनों से जुडाव, बड़ी बहुरिया के दुखों का वर्णन उसके घर वालों के सामने करने से उसकी और उसके गाँव की बदनामी • विपक्ष में : हरगोबिन संवदिया था, अच्छा-बुरा किसी भी प्रकार का संवाद पहुँचाना ही उसका कर्त्तव्य, बड़ी बहुरिया की वास्तविक स्थिति से परिचित कराना उसका दायित्व 2. हरगोबिन का काम ही था संवाद पहुँचाना, फिर भी उसके कदम बड़ी बहुरिया के मैके की ओर क्यों नहीं बढ़ रहे थे ? 'संवदिया' पाठ के संदर्भ में लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • हरगोबिन को अपने कर्त्तव्य से अधिक बड़ी बहुरिया और अपने गाँव की मर्यादा की चिंता • बड़ी बहुरिया के संवाद का एक-एक शब्द उसके मन को पीड़ित करने वाला 3. 'बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया।' 'संवदिया' पाठ से उद्धृत इस कथन में किस खेल के खत्म होने की बात हो रही है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • बड़ी हवेली की संपन्नता, प्रतिष्ठा और उसके वैभव का • घर के सभी सदस्यों के एकजुट होकर रहने का • छोटे-बड़े के आदर और सम्मान का	2	वार्षिक	2025

4. हरगोबिन एक संवदिया था पर उसने अपना काम पूरा नहीं किया। 'संवदिया' कहानी के आधार पर लिखिए कि उसने ऐसा क्यों किया।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- हरगोबिन के मन में कर्त्तव्य और भावनाओं का द्वन्द्व
- बड़ी बहुरिया के सम्मान और गाँव की प्रतिष्ठा

5. यूँ तो हरगोबिन पूरा संवाद ज्यों का त्यों सुना दिया करता था परंतु बड़ी बहुरिया के मायके में वह संवाद नहीं सुना पाया। इसके कारणों की विवेचना कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- हरगोबिन के मन में कर्त्तव्य और भावनाओं का द्वन्द्व
- बड़ी बहुरिया के सम्मान और गाँव की प्रतिष्ठा

6. 'संवदिया' की भूमिका स्पष्ट करते हुए लिखिए कि आप हरगोबिन की जगह होते तो क्या करते। (तर्कपूर्ण उत्तर अपेक्षित)

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- निष्पक्ष और तटस्थ रहकर उसी भाव के साथ संवाद सुनाना
- दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर

7. 'संवदिया' कहानी के आधार पर लिखिए कि बड़ी हवेली से आने वाले बुलाहट पर संवदिया की क्या प्रतिक्रिया हुई।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- आश्चर्य और हैरानी होना
- अनिष्ट की आशंका से भयाकुल हो उठना
- बड़ी बहुरिया की कुशलता के प्रति आशंकित
- गुप्त समाचार की आशंका

8. 'अपनी आँखों से देखी है द्रौपदी चीर हरण की लीला' संवदिया पाठ के इस कथन के संदर्भ में लिखिए कि यहाँ किस घटना की बात हो रही है। उसका संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • बड़ी हवेली में बड़े भैया के मरने के बाद संपत्ति का बँटवारा • बड़ी बहुरिया के देवरों द्वारा निर्दयता की सारी हदें पार करते हुए बड़ी बहुरिया के शरीर पर धारण किए हुए रेशमी वस्त्रों का भी बँटवारा करना 9. 'संवदिया' कहानी में रेणु जी ने बड़ी बहुरिया की पीड़ा को संवदिया के माध्यम से पूरी सहानुभूति प्रदान की है। पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • 'संवदिया' कहानी मानवीय संवेदना की गहन, विलक्षण एवं अद्भुत पहचान की अभिव्यक्ति • संवदिया बड़ी बहुरिया के दुःख और पीड़ा का संवाहक • असहाय और सहनशील नारी मन के कोमल तंतु, उसके • दुःख और करुणा की पीड़ा के साथ हरगोबिन की सहानुभूति लेखक की सहानुभूति			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
10. बड़ी हवेली से बुलावा आने पर हरगोबिन के मन में आशंका क्यों हुई ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आजकल संवदिया द्वारा संदेश न भेजा जाना • संचार व्यवस्था उन्नत हो जाना • गुप्त संदेश होने की आशंका	2	पूरक	2025

पाठ 5 – भीष्म साहनी

गांधी, नेहरू, यास्सेर अराफ़ात

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. बीमार व्यक्ति और लड़के के साथ गांधी जी के किए गए व्यवहार से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ? स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • निश्छल सेवाभाव • दया और सहानुभूति • सरल और विनम्र व्यवहार • सबके साथ अपनत्व 2. 'गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' पाठ में बाज़ीगर वाली घटना का उल्लेख किस उद्देश्य से किया गया है ? स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा, आस्था और विश्वास होना • ईश्वर की प्राप्ति साधनों से नहीं मन के भाव से 3. 'अतिथि देवो भव' की भावना का साकार रूप लेखक को यास्सेर अराफात के आतिथ्य सत्कार में कैसे दिखाई दिया? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • लेखक और उनकी पत्नी की स्वयं आवभगत करना • अपने हाथों से चाय बनाना, फल छील-छीलकर खिलाना • गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े होना 4. लेखक भीष्म साहनी के मन पर गाँधीजी के प्रभाव के कारणों की विवेचना कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • गांधी की सादगी और सहजता • उनकी सेवा सुश्रूषा • समय की पाबन्दी	2	वार्षिक	2025

• विनम्रता और दयाभाव • उदारता 5. 'गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' पाठ के आधार पर लिखिए कि गांधीजी ने रोगी बालक से कैसा बर्ताव किया। इससे उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- बर्ताव:- • जरूरी मीटिंग छोड़ उसके पास जाना • उसे सांत्वना देना • बच्चे के साथ आत्मीयता की भावना विशेषताएँ :- • सरल और सहज व्यवहार • दया और सहानुभूति का भाव • परोपकारिता • साधारण, सामान्य लोगों की परवाह करने वाला			

पाठ 6 – असगर वजाहत

शेर, पहचान, चार हाथ, साझा

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'साझा' कहानी में 'हाथी' किसका प्रतीक है? इस चरित्र के माध्यम से लेखक ने किस सत्य को उजागर किया है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाज के धनाढ्य और प्रभुत्वशाली वर्ग का • किसानों की बदहाली और बेबसी को उजागर करना • पूँजीपतियों की नजर किसानों की जमीन और उत्पाद पर • किसान को साझा खेती करने का झाँसा देकर उसकी सारी फसल हड़पना 2. 'शेर' कहानी के आधार पर 'गौतम बुद्ध' की मुद्रा में बैठे शेर के अचानक आक्रामक हो जाने का कारण स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • शेर व्यवस्था का, सत्ता का प्रतीक • शासन व्यवस्था का समर्थन करते रहने तक सत्ता अहिंसावादी और सह-अस्तित्ववादी शासन व्यवस्था का विरोध करते ही उसका आक्रामक हो जाना 3. 'पहचान' कहानी के संदर्भ में लिखिए कि राजा की सफलता का क्या राज है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रजा की छद्म प्रगति और विकास के बहाने उत्पादन के सभी साधनों पर राजा द्वारा अपनी पकड़ मजबूत करना • प्रजा के जीवन को स्वर्गमय बनाने के बहाने अपना जीवन स्वर्गमय बनाना • जनता को एकजुट होने से रोकना 4. असगर वज़ाहत द्वारा लिखी चारों लघु-कथाओं में से आपको सबसे अधिक प्रभावी कौन-सी लगी और क्यों ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु-	2	वार्षिक	2025

• स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर : क्यों के लिए विस्तार आवश्यक 5. आपके पाठ्यक्रम में मज़दूरों के शोषण पर केंद्रित लघुकथा कौन-सी है और उसमें उनके शोषण के किन पक्षों पर प्रकाश डाला गया है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • चार हाथ • पूँजीपतियों द्वारा मजदूरों को पंगु बनाना • कम मजदूरी देकर उनका आर्थिक शोषण • चार हाथ लगाने जैसे अमानवीय निर्णय मजदूरों पर थोपना			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
6. 'चार हाथ' कहानी के संदर्भ में लिखिए कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए पूँजीपतियों द्वारा कौन-कौन-से उपाय किए जाते हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • शारीरिक शोषण और जीवन को खतरे में डालना • मजदूरी कम करना • मानसिक और आत्मिक शोषण • विरोध को दबाना • गरीबी और मजबूरी का फायदा उठाना	2	पूरक	2025

पाठ 7 – निर्मल वर्मा

जहाँ कोई वापसी नहीं

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. विस्थापन के विरोध में पेड़ों का सूखना क्या दर्शाता है ? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रकृति मनुष्य की सहचरी • प्रकृति मनुष्य की सुख दुख की साझीदार • मनुष्य के उजड़ने पर पेड़ों को अकेलेपन का भय और उदासी • जब मनुष्य ही अपने गाँव से उजड़ जाएँगे तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे? 2. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में लेखक ने धान के खेतों में काम करने वाली औरतों की तुलना किनके साथ की है? स्पष्ट करते हुए दोनों के बीच का अंतर लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कान्हा के वन्य स्थल में विचरण करने वाली युवा हिरणियों से • जरा सी आहट पाते ही वे हिरणियों की भाँति अजनबियों को देखकर भागती नहीं बल्कि आश्चर्यचकित हो अजनबियों को देखती हैं, मुस्कुराती हैं और अपने काम में सिर झुकाकर डूब जाती हैं। 3. औद्योगीकरण के नाम पर अपने घर और गाँव से विस्थापित लोगों की स्थिति का वर्णन 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के संदर्भ में कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अपनी संस्कृति, अपने परिवेश से हमेशा के लिए अलग हो जाना • घर और गाँव के साफ-सुथरे परिवेश को छोड़ शहरों में गंदी बस्तियों में जीवन-यापन करने के लिए मजबूर होना • जीवन की मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना • बेरोज़गारी की पीड़ा को झेलना	2	वार्षिक	2025

4. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर औद्योगीकरण के माध्यम से हुए पर्यावरण विनाश और भावी संकट पर प्रकाश डालिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • औद्योगीकरण के कारण जमीन का अधिग्रहण एवं प्राकृतिक परिवेश का नष्ट होना • पारिस्थितिकीय असंतुलन • धरती के तापमान में निरंतर वृद्धि भावी संकट : • भविष्य में असंतुलन की स्थिति • प्रदूषण की भयावह स्थिति • विस्थापन के कारण शहरों में बढ़ती झुग्गियाँ 5. प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले विस्थापन से औद्योगीकरण के कारण होने वाला विस्थापन भिन्न कैसे है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर सोदाहरण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापन पर मनुष्य का वश नहीं, प्रकृति का प्रकोप जबकि औद्योगीकरण के कारण विस्थापन मनुष्य के लालच या विकास की अंधी दौड़ का परिणाम • प्राकृतिक विस्थापन के पश्चात स्थिति सँभलने पर लोगों का पुनः अपनी जगहों पर लौट आना परंतु औद्योगीकरण से सदा के लिए निर्वासित 6. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर लिखिए कि विकास की आधुनिक परिकल्पना ने पर्यावरण विनाश की नींव रखी है। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विकास की आधुनिक परिकल्पना-औद्योगीकरण का विकास • औद्योगीकरण से विस्थापन की समस्या बढ़ना • खनन के कारण प्रकृति का विनाश • पारिस्थितिकीय असंतुलन			

7. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में शरणार्थी किन्हें कहा गया है? वे अपने ही देश में शरणार्थी कैसे बन गए? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • औद्योगीकरण के कारण विस्थापित हुए सिंगरौली के लोगों को • अपनी जड़-जमीन, परिवेश और आवास स्थल से हमेशा के लिए दूर हो जाना 8. विकास की अंधी दौड़ का क्या दुष्परिणाम सामने आया ? ऐसी परिस्थिति में बदलाव के क्या उपाय हो सकते हैं? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- दुष्परिणामः- • विस्थापन की समस्या • पारिस्थितिकीय असंतुलन • खनन के कारण प्रकृति का विनाश उपायः- • प्रकृति और मनुष्य के साहचर्य को बढ़ावा देना • प्राकृतिक संपदा का संरक्षण अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य			

पाठ 9 – ममता कालिया

दूसरा देवदास

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'दूसरा देवदास' कहानी में मंसा देवी पर होने किस व्यापार की बात कही गई है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • मंसा देवी के प्रांगण के बाहर बिकने वाली पूजा सामग्री और खान-पान की चीजों का व्यापार • विभिन्न सामग्रियों को बेचने की कला का व्यापार 2. 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि संभव संध्या की आरती से लौटकर अनमना सा क्यों था। उसकी अवस्था का चित्रण करते हुए कारण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- कारण - • सद्यस्नात नवयुवती के प्रति आकर्षण • उससे दूरी/व्यवधान • उससे फिर मिलने की अनिश्चितता • मन में प्रेम का अंकुरण अवस्थाः- • अनमना सा होना, पस्त कदमों से घर वापस, थैला पटक देना, भूख न होने की बात कहना, झुंझलाना, पुनः मिलने की बेचैनी 3. 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर गंगा किनारे रहने वाले लोगों की आजीविका के तरीकों पर प्रकाश डालिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पूजा-सामग्री बेचकर • गंगा में फेंके सिक्के बटोर कर • पूजा-पाठ, आरती करवाकर • खुले-पैसे या रेज़गारी बेचकर	2	वार्षिक	2025

4. 'दूसरा देवदास' पाठ में संभव ने मजाक-मज़ाक में अपना नाम 'संभव देवदास' क्यों कहा ? इसमें कौन-सा साहित्यिक संकेत छिपा हुआ है ?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- संभव द्वारा लड़की का नाम 'पारो' सुनकर मजाक में अपने नाम के साथ देवदास जोड़ना
- 'देवदास' शरतचंद्र की प्रसिद्ध साहित्यिक कृति है। उसमें नायिका पारो और नायक देवदास है।

5. 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि संभव की नानी उसको लेकर क्यों चिंतित हो गई। इस तरह का व्यवहार बुजुर्गों के स्वभाव के किन पक्षों को उजागर करता है?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- सुरक्षा और अत्यधिक प्रेम के कारण
- संभव के अनमनेपन और खीझ के कारण

पक्षः-

- बुजुर्गो का स्वाभाविक व्यवहार
- युवाओं की चिंता भी बच्चों की तरह करना

6. 'प्रेम के लिए किसी निश्चित व्यक्ति, समय और स्थिति का होना आवश्यक नहीं है।' - 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- संभव और पारो के बीच का प्रेम संबंध इसका साक्षी
- हर की पौड़ी पर दोनों के अचानक हुए मिलन से प्रथम प्रेम का स्फुरण
- एक दूसरे से मिलने की अकुलाहट तथा नजदीक आने की बेचैनी
- एक दूसरे से मिलने के लिए मंदिर में मनोकामना की गाँठ लगाना

7. "दूसरा देवदास' कहानी के माध्यम से लेखिका ने प्रेम को बंबइया फ़िल्मों की परिपाटी से अलग हटाकर उसे पवित्र और स्थायी स्वरूप प्रदान किया है।' सिद्ध कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • 'दूसरा देवदास' कहानी फिल्मी प्रभाव से सर्वथा मुक्त • संभव द्वारा पारो के प्रेम की प्रतीक्षा करना • संभव और पारो के प्रेम में प्रदर्शन से अधिक समर्पण का भाव • प्रेम में सरलता और पवित्रता			

पाठ 10 – हजारी प्रसाद द्विवेदी

कुटज

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य' 'कुटज' पाठ में लेखक इस पंक्ति के माध्यम से हमें क्या समझाना चाहता है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • 'रूप' व्यक्तिगत पहचान, 'नाम' को सामाजिक मान्यता • नाम के बिना रूप अधूरा 2. लेखक ने कुटज को 'गाढ़े का साथी' क्यों बताया है? क्या पेड़-पौधे भी गाढ़े के साथी हो सकते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • गाढ़े का साथी मुश्किल में काम आने वाला • प्रतिकूल परिस्थिति में कुटज द्वारा कालिदास के विरही यक्ष के काम आना • हाँ, पेड़-पौधे हरियाली, जीवनीशक्ति और प्रेरणा देते हैं 3. सुख और दुख में जीवन जीने की कैसी प्रेरणा कुटज दे रहा है? 'कुटज' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समभाव • निर्विकार और तटस्थ • सुख में अभिमान न करना और दुःख में साहस न छोड़ना • प्रिय-अप्रिय अवस्थाओं को हृदय से अपराजित होकर सोल्लास ग्रहण करना 4. 'कुटज' पाठ के आधार पर उसकी अपराजेय जीवनी शक्ति को उदाहरण सहित समझाइए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • प्रतिकूल परिस्थिति में भी अपराजित • धधकती लू में भी हरा-भरा • कठोर पाषाण की कारा से भी रस खींच लाना	2	वार्षिक	2025

• सूने गिरि प्रांतर में भी प्रसन्न/पुलकित • जीवनी शक्ति से ओत-प्रोत			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
5. 'कुटज' के जीवन से लेखक ने किन शिक्षाओं की चर्चा की है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहना • स्वावलंबी बनना • जीवन को मस्ती में जीना • निर्भीक रहना • चापलूसी से बचना • सुख-दुख में समभाव • किसी के सामने हाथ न फैलाना	2	पूरक	2025

पूरक पाठ्यपुस्तक- अंतराल भाग 2

पाठ 1 – सूरदास की झोंपड़ी (प्रेमचंद)

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष

1. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के संदर्भ में सच्चे खिलाड़ी की पहचान बताते हुए उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए कि सूरदास जीवन रूपी संग्राम का सच्चा खिलाड़ी था ।
सांकेतिक मूल्य-बिंदु-
• पहचान :-
  • हार-जीत से विचलित न होना
  • हार-जीत के प्रति समभाव
  • जीत के लिए पुनः प्रयास करना
• उदाहरण :-
  • झोपड़ी के नष्ट हो जाने पर पुनः बनाने का संकल्प करना- ".....सौ लाख बार बनाऊँगा"
  • पोटली न मिलने पर पुनः पैसे कमाने का निश्चय करना--"मैंने ही कमाए थे, फिर नहीं कमा सकता"
  • दोनों हाथों से झोपड़ी की राख उड़ाते हुए विजय-गर्व से भर उठना
 	
2. 'अब भैरों के घर न जाऊँगी, अलग रहूँगी और मेहनत मजूरी करके जीवन का निर्वाह करूंगी' - कथन के संदर्भ में सुभागी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए ।
सांकेतिक मूल्य-बिंदु-
• स्वाभिमानी
• आत्मविश्वासी
• दृढ़-प्रतिज्ञ
• निडर और साहसी
• सत्य की पक्षधर
	5	वार्षिक	2025

3. 'सूरदास की झोंपड़ी' से उद्धृत कथन 'हम सौ लाख बार घर बनाएँगे' के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक सोच का होना क्यों अनिवार्य है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जीवन में आगे बढ़ने हेतु सूरदास की तरह सकारात्मक सोच का होना अनिवार्य क्योंकि सकारात्मक सोच के कारण -- • मन में ऊर्जा का संचार • स्वयं आशान्वित रहना, औरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा • कठिनाइयों से लड़ने का साहस • पुनर्निर्माण का उत्साह • आत्मविश्वास में वृद्धि 4. झोंपड़ी जला दिए जाने के बाद भी सूरदास का किसी से प्रतिशोध न लेना उसके किस स्वभाव को दर्शाता है? सूरदास जैसे चरित्र की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है? स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- विशेषताएँ : • सहृदय • सहनशील • क्षमाशील प्रासंगिकता: • वर्तमान समाज में हिंसा और प्रतिशोध की भावना का बढ़ना • नैतिक और मानवीय मूल्यों का ह्रास होना • ऐसे में सूरदास का चरित्र आदर्श प्रतिस्थापित करने वाला 5. 'सूरदास में सरलता भी है और व्यावहारिक चतुराई भी' 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस दृष्टि से उसके व्यक्तित्व का विश्लेषण कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- सरलताः- • पोटली में 500 रुपये होते हुए भी दिखावा न करना			

• अभिमान न होना • उदारता (बालक का पालन-पोषण) • सहृदयता (सुभागी के प्रति) • प्रतिशोध न लेना व्यावहारिक चतुराई:- • 500 रुपये पोटली में छुपा कर रखना • पोटली गायब होने की बात उजागर न करना • जगधर के भड़काने पर भी भैरों से बैर न रखना • नैराश्य, ग्लानि, चिंता और क्षोभ को प्रकट न करना 6. सूरदास के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन करते हुए लिखिए कि आप उनमें से किन को अपनाना चाहेंगे और क्यों? (कम-से-कम तीन विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए) सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सहृदय और सरल • प्रतिशोध की भावना से मुक्त • हार न मानने वाला • दृढ़निश्चयी • पुनर्निर्माण में विश्वास • उदार • सहनशील • क्षमाशील आदि क्यों:- • स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य 7. "सूरदास जैसे व्यक्ति वास्तविक चरित्र की जगह आदर्श व्यक्ति प्रतीत होते हैं" – ऐसा सूरदास के किन गुणों के आधार पर कहा जा सकता है? उसके गुणों की वर्तमान समाज में आज और अधिक आवश्यकता क्यों है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सहृदय और सरल			

• प्रतिशोध की भावना से मुक्त • हार न मानने वाला • दृढनिश्चयी • पुनर्निर्माण में विश्वास • उदार आवश्यकता क्यों:- • स्वतंत्र उत्तर । जैसे आज के समय में समाज में जो नकारात्मकता या निराशाजनक स्थिति है इस प्रकार के दिशा-दिखाने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता 8. झोंपड़ी में रुपयों का होना सूरदास के लिए कैसी-बात थी? यह समाज की किस मानसिकता का पता देती है? क्या आप इस प्रकार की सोच से सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • लज्जा और शर्म की बात (क्योंकि वह एक अंधा भिखारी था)। मानसिकताः- • समाज की समझ में भिखारी के पास इतने रुपये क्यों होने चाहिए ? अमीर भिखारी की कोई अवधारणा नहीं, अगर भिखारी है तो धन कैसे ? सोचः- स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य (सहमति/असहमति तर्क के साथ) 9. भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी में आग क्यों लगाई? वह अपने कार्य को उचित क्यों मान रहा था ? आपके विचार से भैरों के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जाना चाहिए और क्यों ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • द्वेष-ईर्ष्या, प्रतिशोध के कारण उचित मानने के कारण:- • सूरदास और सुभागी के प्रसंग के कारण गाँव में हुई बदनामी का बदला लेने के कारण भैरों के साथ व्यवहार कैसा और क्यों:- स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य			

10. सूरदास की झोंपड़ी जलने के समय सुभागी कहाँ थी? सूरदास की दुर्दशा के लिए वह स्वयं को ज़िम्मेदार क्यों मान रही थी? सुभागी की अवस्था के सामाजिक कारणों का उल्लेख कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • मंदिर के पिछवाड़े अमरूद के बाग में छिपकर क्यों:- • भैरों की मार-पिटाई से बचने के लिए सुभागी का सूरदास की झोपड़ी में आना, भैरों द्वारा इसे अपनी बदनामी मानना, प्रतिशोध में भैरों का सूरदास की झोंपड़ी जलाने का अपराध-बोध सामाजिक कारण – • पितृसत्तात्मक समाज में पत्नी स्त्री की दयनीय दशा 11. "झोंपड़े की आग ईर्ष्या की आग की भाँति कभी नहीं बुझती।" 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में किसकी ईर्ष्या का उल्लेख किया गया है? ईर्ष्या का कारण क्या है? क्या आपको लगता है कि वह कारण सहज, स्वाभाविक और मानवीय है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भैरों की कारण:- • सुभागी को बहकाने का शक होने के कारण • ईर्ष्या भाव के कारण • सामाजिक अपमान का बदला लेने हेतु • सूरदास को सबक सिखाने हेतु दूसरे हिस्से का स्वतंत्र उत्तर 12. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में सुभागी सूरदास के पास क्यों आई थी? उसने भैरों के पास जाने का निश्चय क्यों किया ? इससे उसके चरित्र की कौन-कौन-सी विशेषताएँ सामने आती हैं ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • झोपड़ी में आग लगने की खबर पाकर सूरदास को सांत्वना देने हेतु क्यों:-			

• जगधर से भैरों द्वारा झोपडी में आग लगाने और पैसों की पोटली चोरी करने की बात सुनकर • सूरदास को पोटली वापस दिलाने का निश्चय चारित्रिक विशेषताएँ:- • स्वाभिमानी • दृढ़प्रतिज्ञ, निडर और साहसी • कृतज्ञ • सत्य की पक्षधर 13. झोंपड़ी जलने के बाद भी स्वयं पर नियंत्रण रखने वाला सूरदास कब और क्यों बिलख-बिलख कर रोने लगा ? इस घटना के माध्यम से मनुष्य के स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जब राख छानते-छानते रुपयों की पोटली न मिलना • उसकी सारी अभिलाषाओं का राख हो जाना विशेषताएँ :- • दुःख का अतिरेक होने पर मानव का टूट जाना • निराशा का घेर लेना • हतोत्साहित हो जाना • सब कुछ समाप्त हो जाने का भाव पैदा हो जाना 14. 'झोंपड़ी जला दिए जाने के बाद भी सूरदास प्रतिशोध में नहीं पुनर्निर्माण में विश्वास रखता है।' सूरदास जैसे व्यक्ति की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है? टिप्पणी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सूरदास कहानी का मुख्य पात्र, सूरदास और अपनी पत्नी सुभागी के अनैतिक संबंधों की झूठी कल्पना के कारण भैंरों सूरदास की झोपड़ी में आग लगाना और रुपये की थैली चुराना • झोंपड़ी जला दिए जाने और रुपयों के चोरी हो जाने के बाद भी सूरदास द्वारा प्रतिशोध न लेना और पुनर्निर्माण की बात करना आज समाज के लिए एक आदर्श			

वर्तमान में प्रासंगिकता :- • लोगों में क्षमा, दया, करुणा, परोपकार जैसे नैतिक जीवन-मूल्यों का ह्रास होना • वर्तमान में प्रतिशोध की भावना का बल पकड़ना • व्यक्ति को सहृदय, सहिष्णु, आशावान बने रहने की प्रेरणा देना 15. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से उद्धृत कथन 'सच्चे खिलाड़ी कभी रोते नहीं, बाज़ी-पर-बाज़ी हारते हैं... पर मैदान में डटे रहते हैं' से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? सूरदास के चरित्र के संदर्भ में लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सुख-दुख को समभाव रूप से ग्रहण करने की प्रेरणा • जीवन को खेल की तरह स्वीकार करने की प्रेरणा • जीत में घमंड न कर, हार में विचलित न होने की प्रेरणा • संघर्ष करने की प्रेरणा • आशावादी बनने की प्रेरणा • विषम परिस्थितियों का धैर्य और संयम के साथ सामना करने की प्रेरणा • प्रतिशोध की भावना न रखने की प्रेरणा 16. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ सूरदास जैसे लाचार और बेबस व्यक्ति की जिजीविषा एवं उसके संघर्ष का अनूठा चित्रण है। सिद्ध कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सूरदास कहानी का प्रमुख पात्र नेत्रहीन होते हुए भी लाचार और बेबस नहीं, जिजीविषा से भरपूर • सारी विषम परिस्थितियों- झोपड़ी का जल जाना, रुपयों की पोटली का चोरी हो जाना, सुभागी को लेकर गाँव वालों के लांछन का सामना धैर्य व साहस के साथ करना • आत्मबल से युक्त • आशावादी दृष्टिकोण • गांधीवादी विचारधारा में विश्वास • प्रतिशोध में नहीं पुनर्निर्माण में विश्वास • जीवन को खेल की तरह स्वीकार करना			

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
17. 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर सूरदास का चरित्र चित्रण कीजिए और लिखिए कि आप उसके चरित्र की कौन-सी विशेषता धारणा चाहेंगे और क्यों ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पुनर्निर्माण में विश्वास • प्रतिशोध से दूर • कर्मशील • विपरीत परिस्थितियों में हार न मानने वाला • सहनशील • दृढ़प्रतिज्ञ • आशावान • सकारात्मक दृष्टिकोण शेष दो बिंदुओं के लिए उचित मुक्त उत्तर स्वीकार्य	5	पूरक	2025

पाठ 3 – बिस्कोहर की माटी (विश्वनाथ त्रिपाठी)

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में वर्णित ग्रामीण जीवन की झाँकी प्रस्तुत कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • गाँवों का शहरों की तरह सुविधायुक्त न होकर प्रकृति पर अधिक निर्भर रहना • गाँव में प्रकृति के कोमल व कठोर दोनों रूप, एक ओर मनोहारी चाँदनी रात, रंग-बिरंगे फूलों और वर्षा का सौंदर्य, दूसरी ओर गाँव में बाढ़, सूखे, कीड़ों-मकोड़ों, साँप-बिच्छुओं का डर • चिकित्सा के लिए प्रकृति पर निर्भर • लोगों के बीच पारस्परिक लगाव 2. 'इसे 'सेस', 'सारद' भी नहीं बयान कर सकते' - 'बिस्कोहर की माटी' में यह कथन किस संदर्भ में कहा गया है ? इसका क्या आशय है? इस संदर्भ में अपने विचार स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • डियर पार्क में बत्तख द्वारा अपने बच्चों को डैनों के नीचे/बीच में रखकर सतर्कतापूर्वक रक्षा करने के संदर्भ में आशयः- • माँ की ममता अवर्णनीय, जिसका वर्णन अनेक मुख वाले शेषनाग और विद्या की देवी सरस्वती जी द्वारा भी संभव नहीं स्पष्टीकरण:- मुक्त उत्तर 3. 'गाँव में ऋतु परिवर्तन अधिक स्पष्ट रूप से पहचाना जाता है।' 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • गाँव के परिवेश में ऋतु परिवर्तन स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना • गाँव का जीवन ऋतुओं/प्रकृति के अधिक निकट	5	वार्षिक	2025

• शरद : हरसिंगार फूलना, कुमुद यानी कोइयाँ खिलना, तोरी, लौकी, भिंडी, कोहड़ा, शरीफा आदि फलों-सब्जियों की पैदावार • ग्रीष्म : चिलचिलाती धूप, लू लगने की घटनाएँ, प्याज़, आम, जामुन, कटहल आदि की उपलब्धता • वर्षा : घनघोर वर्षा, कई दिनों तक लगातार वर्षा, गंदगी, बदबू, कीचड़, गीले जलावन के कारण घर का धुँए से भर जाना 4. 'बिसनाथ दूध कटहा हो गए। उनका दूध कट गया।' इस कथन का आशय स्पष्ट करते हुए बिसनाथ के जीवन में आए संकट का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। इस कथन के आलोक में आप बिसनाथ के प्रति कैसा महसूस करते हैं? संक्षेप में लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • दूध कटहा हो जाना- माँ का दूध पीने वाली उम्र में लेखक के छोटे भाई का जन्म होने से माँ के दूध से वंचित रह जाना संकट का स्वरूपः- • आँचल में छिपकर खेलने का संबंध खत्म • कसेरिन दाई पर निर्भरता • गाय का बेस्वाद दूध पीने को विवश अनुभव :- • स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य 5. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर गाँव की प्रकृति का गर्मी, सर्दी और वर्षा ऋतुओं के अनुरूप वर्णन कीजिए। वहाँ के लोग गर्मी ऋतु के प्रकोप से बचने के लिए क्या उपाय करते थे? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • गाँव के परिवेश में ऋतु परिवर्तन स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना • गाँव का जीवन ऋतुओं/प्रकृति के अधिक निकट • शरद : हरसिंगार फूलना, कुमुद यानी कोइयाँ खिलना, तोरी, लौकी, भिंडी, कोहड़ा, शरीफा आदि फलों-सब्जियों की पैदावार • ग्रीष्म : चिलचिलाती धूप, लू लगने की घटनाएँ, प्याज़, आम, जामुन, कटहल आदि की उपलब्धता			

- वर्षा : घनघोर वर्षा, कई दिनों तक लगातार वर्षा, गंदगी, बदबू, कीचड़, गीले जलावन के कारण घर का धुँए से भर जाना

  उपाय-

  - कच्चे आम का पन्ना
  - आम भूनकर गुड़ या चीनी में शरबत
  - कच्चे प्याज का सेवन
  - धोती या कमीज़ में प्याज बाँधकर रखना

6. बचपन में ही बिसनाथ पर कौन-सा अत्याचार हो गया? इसके परिणामस्वरूप उनके जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए? आपके भीतर बालक बिसनाथ के प्रति कैसे भाव उमड़ते हैं और क्यों?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- अल्पावस्था में ही छोटे भाई का जन्म होने से दूध कटहा हो जाना अर्थात माँ के दूध से वंचित होना

परिणामः-

- माँ से दूरी
- कसेरिन दाई पर निर्भरता
- गाय का बेस्वाद दूध पीने की विवशता
- आँचल में छुप कर खेलने से वंचित

भाव और क्यों :-

- लेखक भावुकता से याद करता है क्योंकि बचपन की स्मृतियाँ मोहक होती हैं, खींचती हैं।

7. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर गाँव की वर्षा का चित्रण कीजिए। वर्षा से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए लिखिए कि इसके बाद भी लेखक उसे इस भावुकता से क्यों याद करता है।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

वर्षा का चित्रणः-

- वर्षा का सीधे एकाएक न आना
- बादलों का घिरना-गड़गड़ाना
- दिन में रात जैसा वातावरण

• तबला, मृदंग और सितार जैसा संगीत • घोड़ों की टापों जैसी आवाज़ के साथ बारिश कठिनाइयाँ:- • बारिश में आँधी से छप्पर आदि का उड़ जाना • बारिश के बाद बदबू, कीचड़ • जलावन की समस्या • कीड़े मकोड़ों का निकलना 8. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर बिसनाथ के गाँव की तीन विशेषताएँ लिखते हुए उन्हें चुनने का कारण भी बताइए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- विशेषताएँ:- • प्राकृतिक परिवेश से घिरा • ऋतुओं के अनुकूल वनस्पतियों, फूलों, फलों, सब्जियों की बहुतायत • लोगों के आपसी संबंध, मनुष्यों का अन्य जीव-जंतुओं से अत्यधिक जुड़ाव कारण:- • उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य 9. "बिसनाथ को अपने गाँव बिस्कोहर से जो लगाव है वह मूलतः मनुष्य की अपनी स्मृतियों के प्रति लगाव का ही एक रूप है।" 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सोदाहरण टिप्पणी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अतीत से जुड़े रहनाः मानव का प्राकृतिक स्वभाव • बचपन की स्मृतियों की लेखक के मन पर अमिट छाप • गाँव और बचपन की स्मृतियों से लेखक का गहरा जुड़ाव • गाँव के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत • गाँव का रूप, रस और गंध वर्तमान जीवन के सेतु उदाहरण:-			

• बतख के कार्यव्यवहार को देखकर माँ और बच्चे के आत्मीय संबंधों का बोध 10. "बिसनाथ मान ही नहीं सकते कि बिस्कोहर से अच्छा कोई गाँव हो सकता है और बिस्कोहर से ज्यादा सुंदर कहीं की औरत हो सकती है।" इस वाक्य के माध्यम से बिसनाथ के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। उनके ऊपर अपने बचपन के प्रभाव का विवेचन भी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- चारित्रिक विशेषताएँ:- • गाँव के प्रति प्रेम • संवेदनशील • सौन्दर्य-बोध • सूक्ष्म-पर्यवेक्षण दृष्टि • चारित्रिक तुलनात्मक विवेक बचपन का प्रभाव:- • बचपन की स्मृतियों की लेखक के मन पर अमिट छाप • गाँव और बचपन की स्मृतियों से लेखक का गहरा जुड़ाव • गाँव के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत • गाँव का रूप, रस और गंध वर्तमान जीवन के सेतु 11. ग्रामीण परिवेश में जन्मे, पले-बढ़े व्यक्ति का आगे का जीवन भले ही शहर में बीते पर उसकी स्मृतियों का गाँव सदैव मोहक और आकर्षक बना रहता है। 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सोदाहरण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अतीत से जुड़े रहनाः मानव का प्राकृतिक स्वभाव • बचपन की स्मृतियों की लेखक के मन पर अमिट छाप • गाँव और बचपन की स्मृतियों से लेखक का गहरा जुड़ाव • गाँव के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत • गाँव का रूप, रस और गंध वर्तमान जीवन के सेतु उदाहरण:-			

• बतख के कार्यव्यवहार को देखकर माँ और बच्चे के आत्मीय संबंधों का बोध (अन्य स्वतंत्र उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य) 12. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर बिस्कोहर में होने वाली वर्षा का वर्णन कीजिए, साथ ही गाँव वालों को उसके बाद होने वाली कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- वर्षा का वर्णन : - • बादलों के बरसने से पूर्व बादलों के घिरने और गरजने की आवाजें • घनघोर अँधेरा होना • तेज बारिश होने पर घोड़ों की पंक्ति के दौड़े चले आने का भ्रम होना • बारिश के विभिन्न रूपों से तबला, मृदंग और सितार जैसी ध्वनियों से वातावरण संगीतमय • चारों तरफ खुशी का वातावरण कठिनाइयाँ:- • जलावन की समस्या • गंदगी, कीचड़ और बदबू, कीड़ों-मकोड़ों की बहुतायत • आवागमन की परेशानी • घर ढहना, खेत-खलिहानों में पानी भरना, बाढ़ आदि का खतरा			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
13. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में वर्णित गाँव के बारे में जानकारियाँ दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रकृति का निर्मल और स्वच्छंद रूप परिलक्षित • प्रकृति के कठोर रूप का भी दर्शन • चाँदनी रात का सौन्दर्य • अनेक प्रकार के फूल और वनस्पति का होना • वर्षा के विभिन्न रूप • वनस्पतियों के औषधीय गुणों की पहचान होना • साँप, बिच्छुओं और कीड़े-मकोड़े मिलना • मिट्टी के विविध रूप • गाँव के लोगों का अभावग्रस्त और संघर्षपूर्ण जीवन	5	पूरक	2025

पाठ 4 – अपना मालवा-खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में (प्रभाष जोशी)

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. "डग-डग रोटी पग-पग नीर' वाले मालवा की वर्तमान स्थिति 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। स्थिति के कारणों को स्पष्ट करते हुए यह भी लिखिए कि इसे कैसे सुधारा जा सकता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • वर्तमान स्थितिः- • अतिवृष्टि या अनावृष्टि होना • नदी-नालों का सूखना और अत्यधिक प्रदूषित होना • पैदावार में कमी • कारण:- • तेजी से बढ़ता औद्योगीकरण • भूजल का अत्यधिक दोहन • प्राकृतिक सम्पदा को क्षति पहुँचाना • पर्यावरणीय असंतुलन • सुधार हेतु सुझावः- • जल के परंपरागत संसाधनों का आधुनिकीकरण तथा संरक्षण • मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन • प्रकृति से प्रेम और उसका सम्मान	5	वार्षिक	2025
2. धरती के तापमान में वृद्धि के लिए 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में...' पाठ में किसे जिम्मेदार ठहराया गया है? क्या इस तापमान वृद्धि में हमारी कोई भूमिका है? हम धरती के तापमान को कैसे नियंत्रित रख सकते हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- जिम्मेदार कौन:- • यूरोप और अमेरिका की खाऊ-उजाड़ू सभ्यता भूमिकाः- • हाँ, तापमान वृद्धि में विकसित देशों के साथ-साथ			

• विकासशील देशों की भी अहम् भूमिका उपाय:- • प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना • प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन • संयमित और अनुशासित जीवन-शैली 3. "अपने नदी, नाले, तालाब सँभाल के रखो, तो दुष्काल का साल मजे में निकल जाता है।" 'अपना मालवा खाऊ-उजाडू सभ्यता में...' पाठ से उद्धृत इस कथन का आशय स्पष्ट करते हुए उदाहरण सहित इसकी पुष्टि कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- आशयः- • प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन करने से प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना आसान उदाहरण:- • 1899 में मालवा में सिर्फ 15.75 इंच पानी गिरना, इसे लोक में 'छप्पन का काल' नाम से जाना जाना • मालवा में इतने कुएँ, बावड़ी और तालाब होना कि इस दुष्काल में भी यहाँ के लोगों का भूखे-प्यासे नहीं मरना • राजस्थान के ठेठ मारवाड़ के लोगों को भी यहाँ के लोगों द्वारा सहारा देना 4. 'अपना मालवा खाऊ उजाडू सभ्यता में.....' पाठ में विक्रमादित्य, भोज और मुंज आदि राजाओं का उल्लेख किस संदर्भ में आया है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भारतीय राजाओं (विक्रमादित्य, भोज और मुंज आदि) द्वारा जल संसाधनों का प्रबंधन व संरक्षण यूरोप से भी पहले • बरसात के पानी को रोकने के लिए कुएँ, बावड़ियाँ और तालाब बनवाकर धरती के पानी को जीवंत रखना • आज के इंजीनियरों की तुलना में उनका अधिक दूरदर्शी होना			

• भविष्य के लिए संसाधनों के नियोजन के प्रति सचेत 5. लेखक की मालवा-यात्रा के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पहले लोगों में आत्मीयता और अपनत्व का भाव अधिक था। आज इसमें जो परिवर्तन आया है उसके कारणों को स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- आत्मीयता और अपनत्व:- • नागदा स्टेशन पर मीणा जी के साथ मेल-मिलाप से आत्मीय संबंधों की झलक • इंदौर में लेखक और दव्वा के बीच आत्मीयता से की गई बातचीत परिवर्तन के कारण:- • संदेह और असमंजस • आत्मीयता में कमी • समय का अभाव • स्वार्थपूर्ण संबंध • अजनबियों पर भरोसा नहीं • सुरक्षा कारण 6. 'अपना मालवा.....' पाठ में वर्णित जल संचय के तरीकों का वर्णन करते हुए लिखिए कि विकास की दौड़ ने उन पर कैसा प्रभाव डाला है। इस प्रभाव से किस प्रकार बचाव किया जा सकता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- तरीके:- • तालाब, बावड़ियों में वर्षा-जल संचय प्रभाव:- • तालाब, बावड़ियों का गाद से भरना • भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन • नदी-नालों का सूखना बचाव के उपाय:- • स्वतंत्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य			

• जैसे-- शहरों/गाँवों/कस्बों में तालाबों के लिए जगह, वर्षा जल संचय की सुविधा आदि 7. 'अपना मालवा .....' पाठ के आधार पर लिखिए कि जलवायु परिवर्तन के लिए कौन ज़िम्मेदार हैं। इस परिवर्तन का परिणाम क्या है? इसके दूरगामी परिणामों से बचाव के उपाय क्या हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • औद्योगिक विकास की खाऊ-उजाड़ सभ्यता और संस्कृति • कार्बनडाइऑक्साइड गैस का उत्सर्जन • अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों की सुविधाभोगी जीवन-शैली परिणामः- • पर्यावरण का विनाश • अतिशय गर्मी/बरसात/जाड़ा • पारिस्थितिकीय असंतुलन बचाव के उपाय - स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर, जैसे- वृक्षारोपण, उद्योग शहरों से दूर, नदियों की सफाई आदि 8. 'अपना मालवा.....' पाठ में किन 'सदानीरा' नदियों का उल्लेख है? वर्तमान में उनकी दशा कैसी है? इस स्थिति के कारणों का उल्लेख कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • नर्मदा, शिप्रा, चंबल, चोरल, पार्वती, कालीसिंध, गंभीर दशा:- • बारहमासी नदियाँ चौमासी नदियों में बदलना • नदियों का छिछली और मटमैली हो जाना • नदियों का गंदे नालों में परिवर्तित होना कारण:- • जगह-जगह कंक्रीट के राक्षसी बाँध बनना • बढ़ता औद्योगीकरण • निरंतर बढ़ता प्रदूषण • नदियों के प्रति लोगों की आस्था में कमी			

9. 'अपना मालवा...' पाठ का लेखक विकास की सभ्यता को मूलतः क्या मानता है और क्यों ? क्या आप उसकी राय से सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- खाऊ उजाड़ू सभ्यता अर्थात विनाश की अपसभ्यता क्यों:-
- औद्योगीकरण से बढ़ता प्रदूषण
- पारिस्थितिकीय असंतुलन
- हानिकारक गैसों का उत्सर्जन
- पर्यावरण की उपेक्षा आदि

रायः-

- स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य

10. 'अपना मालवा...' पाठ के आधार पर पानी के रख-रखाव की परंपरागत प्रणाली और ज्ञान परंपरा को स्पष्ट करते हुए बताइए कि आज जो चूक हो रही है उसके क्या कारण हैं।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

परंपराः-

- तालाब, बावड़ी, कुएँ, नदी, नाले आदि की देखभाल के
- भोज, मुंज और विक्रमादित्य के समय से ही बरसात के पानी को रोककर रखने का ज्ञान

चूकः-

- आधुनिक इंजीनियरों द्वारा परम्परागत प्रणाली और ज्ञान की अपेक्षा स्वयं को श्रेष्ठ समझना
- नदियों पर बांध बनाना
- तालाबों को पाटना
- भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन

कारण –

- परंपरागत ज्ञान को व्यर्थ मानना, आधुनिक विज्ञान की तुलना में उसकी अवहेलना

11. हमारी तथाकथित विकसित सभ्यता अपनी ही प्राचीन ज्ञान परंपरा को भूलकर प्रकृति के साथ खिलवाड़ करते हुए विनाश को रास्ता दे रही है। 'अपना मालवा....' पाठ के आधार पर लिखिए कि ऐसा कैसे और क्यों हो रहा है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- कैसे:- • तालाबों और बावड़ियों को नुकसान पहुँचाकर • उनको पाट कर, उन पर कंक्रीट के जंगल बनाकर • उनको गाद से भर, जमीन के भीतरी पानी का दोहन कर क्यों:- • आधुनिक इंजीनियरों द्वारा परंपरागत प्रणाली व ज्ञान की अपेक्षा स्वयं को श्रेष्ठ समझना • आधुनिक ज्ञान की तुलना में परंपरागत ज्ञान की अवहेलना			
12. पहले के मालवा और अब के मालवा में लेखक को क्या अंतर दिख रहा था? इसके लिए उत्तरदायी तत्त्वों को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आज की तुलना में मालवा में पहले अधिक पानी बरसना • जल से भरपूर कुएँ-बावड़ी/तालाब-तलैया/नदी-नालों का गाद से भर जाना • बारहमासी नदियों का चौमासी नदियों में बदल जाना उत्तरदायी तत्व- • प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन • बढ़ता औद्योगीकरण • हानिकारक गैसों का अधिक उत्सर्जन • प्रकृति से छेड़छाड़ • पारम्परिक ज्ञान की उपेक्षा (अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य)			
13. मालवा में ऋतु परिवर्तन के प्रभाव स्वरूप पहले कौन-से बदलाव होते थे? वर्तमान में उसमें क्या अंतर आया है? इस अंतर के कारणों की पड़ताल कीजिए।			

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- पहले:- • बरसात के महीनों में नदियों का जलस्तर बढ़ना • क्वार के महीने में उजली चटक धूप का निकलना वर्तमान:- • नदियों का जलस्तर घट जाना • सदानीरा नदियों का चौमासी नदियों में परिवर्तित होना • पर्यावरण का प्रदूषित होना कारण:- • प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन • बढ़ता औद्योगीकरण • हानिकारक गैसों का अधिक उत्सर्जन • प्रकृति से छेड़छाड़ • पारम्परिक ज्ञान की उपेक्षा (अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य) 14. 'सदानीरा नदियाँ अब मालवा के गालों के आँसू भी नहीं बहा सकतीं' कथन के संदर्भ में लिखिए देश के अन्य हिस्सों में नदियों की क्या स्थिति है और इसके क्या कारण हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • देश के अन्य भागों में भी नदियों की स्थिति मालवा से कुछ भिन्न नहीं, नदियों के जल स्तर में कमी आना • नदियों के पाट-घाट दिन-प्रतिदिन छोटे होते जाना • नदियों का सूखना, प्रदूषित होना • नदियों का बरसाती होना • नदियों पर कंक्रीट के राक्षसी बांध बना देना कारण : • जनसंख्या वृद्धि • औद्योगिक इकाइयों द्वारा अपना विषैला जल नदियों में छोड़ा जाना • धार्मिक आस्थाओं के चलते लोगों द्वारा नदियों को प्रदूषित करना • प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालना (अन्य उचित कारण भी स्वीकार्य)			

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
15. 'अपना मालवा खाऊ-उजाडू...'. पाठ के लेखक ने औद्योगिक सभ्यता को खाऊ-उजाड़ सभ्यता क्यों कहा है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • उपभोगवादी मानसिकता • तेजी से बढ़ता औद्योगीकरण • भूमि, जल और वायु प्रदूषण • कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि • भूजल का अत्यधिक दोहन • प्राकृतिक सम्पदा की क्षति • पर्यावरणीय असंतुलन • परिवेश के प्रति भावनात्मक अलगाव	5	पूरक	2025

अभिव्यक्ति और माध्यम

(इकाई 1- जनसंचार माध्यम और लेखन)

- **पाठ 3 – विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन**

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. "जनसंचार के माध्यम आपस में प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं।" सिद्ध कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जनसंचार के विभिन्न माध्यम प्रिंट, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट की अपनी-अपनी खूबियाँ और कमियाँ • सबका एक ही लक्ष्यलोगों को नवीनतम, अद्यतन और सटीक जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराना। 2. संचार का सबसे पुराना और लोकप्रिय माध्यम होने पर भी समाचार-पत्रों की तुलना में टी.वी. की लोकप्रियता का कारण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाचार-पत्र केवल साक्षर लोगों तक सीमित जबकि टी. वी. साक्षर और निरक्षर दोनों के लिए उपयोगी • समाचार-पत्र मुद्रित माध्यम जबकि टी. वी. में दृश्य-श्रव्य और मुद्रित माध्यमों की खूबियाँ एक साथ • समाचार-पत्र की अपेक्षा टी. वी. में खबरों का तत्काल जीवंत प्रसारण 3. रेडियो और टेलीविज़न दोनों के एक रेखीय माध्यम होने पर भी दोनों में मूलभूत अन्तर क्या है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • रेडियो श्रव्य माध्यम जबकि टेलीविजन दृश्य- श्रव्य माध्यम • रेडियो में ध्वनि, शब्दों और स्वरों का महत्त्व जबकि टेलीविजन में दृश्यों और तस्वीरों का महत्त्व 4. रेडियो के लिए समाचार लेखन की अच्छी कॉपी में कौन-कौन से गुण अनिवार्य हैं?	1/2/3	वार्षिक	2025

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • साफ-सुथरी टंकित प्रति • कोई अधूरी पंक्ति नहीं • आम बोल-चाल की भाषा • कठिन शब्दों से परहेज • अंकों को लिखने में विशेष सतर्कता • डेडलाइन को ध्यान में रखना • समय जैसे कल शाम, आज सुबह दोपहर आदि प्रयोगों में सावधानी • संक्षिप्ताक्षरों से बचाव 5. टेलीविज़न पर समाचार प्रस्तुति के लिए स्क्रिप्ट तैयार करने के क्रम में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल शब्दों का प्रयोग • घटनास्थल पर दिखाए जाने वाले दृश्य की भाषा और सिर्फ पढ़े जाने वाले दृश्य की भाषा में अंतर • खबर पेश करने के तरीकों के आधार पर स्क्रिप्ट में बदलाव • संक्षिप्त और सूत्रात्मक • सरल, सहज, संप्रेषणीय और प्रवाहमय भाषा 6. साक्षात्कार क्या है ? किसी अखबार के लिए उसका महत्त्व स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • साक्षात्कार या इंटरव्यू किसी क्षेत्र विशेष में पहचाने जाने वाले व्यक्ति/आम व्यक्ति से विषय-केंद्रित/तथ्य, उसके विचार और भावनाएं जानने के लिए प्रश्न/विशेष बातचीत महत्त्व:- • पाठकों की जिज्ञासा शांत करना • पत्रकार को विविध विषयों पर लेखन के लिए सामग्री की प्राप्ति साक्षात्कार की विशेषताएँ :- • संबंधित व्यक्ति से तथ्य, उसकी राय और भावनाएँ निकलवा लेना			

7. भारत में इंटरनेट पत्रकारिता के इतिहास और वर्तमान पर एक टिप्पणी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का प्रारंभ 1993 से • इसी वर्ष हमारे देश में इंटरनेट की शुरुआत • इसका दूसरा चरण 2003 से शुरू • इसके साथ ही ऑनलाइन / साइबर/वेब पत्रकारिता की शुरुआत वर्तमानः- • तीसरा चरण आरंभ • हिंदी के सभी समाचार-पत्र और पत्रिकाएं इंटरनेट पर उपलब्ध 8. भारत में वेब पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति पर एक टिप्पणी कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • इंटरनेट की उपलब्धता बढ़ने से वेब पत्रकारिता की धूम • सभी अखबार और टेलीविज़न चैनलों की अपनी वेबसाइट • लिखित खबरों के पोर्टल्स/चैनल्स/विडियोज की भरमार 9. टेलीविज़न में ख़बरों के कौन-कौन से चरण होते हैं? किन्हीं तीन चरणों का वर्णन कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़ तत्काल घटित महत्त्वपूर्ण घटना की सूचना कम से कम शब्दों में • ड्राई एंकर- दृश्य न मिलने तक रिपोर्टर से प्राप्त जानकारी एंकर द्वारा दर्शकों तक पहुँचाना • फोन इन खबर का विस्तार और रिपोर्टर से फोन/वीडियो पर • एंकर - विजुअल- घटना के दृश्यों के आधार पर एंकर द्वारा घटना की प्रस्तुति • एंकर-बाइट- प्रत्यक्षदर्शी संबंधित व्यक्तियों के कथन • लाइव घटना स्थल से घटना का सीधा प्रसारण • एंकर पैकेज - दृश्य, बाइट और ग्राफिक्स के ज़रिए घटना की पूरी सूचना (कोई तीन)			

10. आज के समय में भी प्रिंट माध्यमों का महत्त्व बचा हुआ है। इसे सही ठहराने के लिए उपयुक्त तर्क दीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- स्थायित्व
- समय और सुविधानुसार पढ़ने की सुविधा
- चिंतन और विश्लेषण का माध्यम

11. रेडियो और टेलीविज़न की भाषाशैली में किस प्रकार की समानताएँ और भिन्नताएँ हैं? दो समानताओं और एक भिन्नता का उल्लेख कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

समानताएँ :-

- आम बोलचाल की भाषा
- सरल, संप्रेषणीय और प्रभावी भाषा

भिन्नताएँ :-

- रेडियो की भाषा शैली का आधार ध्वनि
- और शब्द जबकि टेलीविज़न में ध्वनि और
- शब्दों के साथ दृश्यों का समायोजन

12. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का उल्लेख करते हुए उनकी एक-एक खूबियों को लिखिए। (किन्हीं तीन का उल्लेख आवश्यक है)

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट (कोई तीन बिंदु)
- प्रिंट - स्थायित्व, समय और सुविधानुसार पढने की सुविधा
- रेडियो- श्रव्य माध्यम, साक्षर और निरक्षर दोनों के लिए लाभकारी
- टेलीविज़न दृश्य-श्रव्य माध्यम, देखकर घटनाक्रम और स्थितियों का बेहतर आकलन
- इंटरनेट-ख़बरों को पढने, सुनने और देखने तीनों की सुविधा, ख़बरों का सत्यापन और पुष्टिकरण संभव

13. जनसंचार के मुद्रित माध्यमों के लेखकों से समाचार लेखन में किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखने की अपेक्षा होती है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान • प्रचलित भाषा का प्रयोग • समय-सीमा और आवंटित जगह का पालन • ग़लतियों, अशुद्धियों को प्रकाशन पूर्व ठीक करना • प्रस्तुति में तारतम्यता बनाए रखना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) 14. संचार के मुद्रित माध्यम और इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में से आपको कौन-सा माध्यम अधिक पसंद है और क्यों ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • मुक्त उत्तर (पसंद और माध्यम की खूबियों का उल्लेख आवश्यक) 15. भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की क्या स्थिति है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • वर्तमान में इंटरनेट पत्रकारिता का तीसरा दौर, पहला दौर 1993 से शुरू और दूसरा 2003 से • आज हिन्दी और अंग्रेजी के अनेक अखबार इंटरनेट पर उपलब्ध • समाचार प्रसारित करने वाले अनेक चैनल भी इंटरनेट पर उपलब्ध • यू-ट्यूब पर स्वतन्त्र चैनलों, वीडियो और पॉडकास्ट की धूम			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
16. भारत में पहला छापाखाना कहाँ और किस उद्देश्य से खोला गया ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • गोवा में, ईसाई मिशनरियों के धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए 17. इन्टरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ • खबरें तीव्र गति से पहुँचना	1/2/3	पूरक	2025

• खबरों की पुष्टि तत्काल • बैकग्राउंड तैयार करने में तत्काल सहायता 18. मुद्रित माध्यम क्या है? दो के नाम लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जनसंचार के माध्यमों में सबसे पुराना छपा हुआ/प्रिंट माध्यम अखबार, पत्र-पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि 19. प्रमुख संचार माध्यम कौन-कौन से हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रमुख संचार माध्यम-समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, दूरदर्शन और इन्टरनेट आदि 20. आजकल इन्टरनेट पत्रकारिता के लोकप्रिय होने के क्या कारण हैं? तीन बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ • खबरें तीव्र गति से पहुँचना • खबरों की पुष्टि तत्काल • बैकग्राउंड तैयार करने में तत्काल सहायता			

4 – पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा किसे कहते हैं? इसका क्या महत्त्व है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • समाचार का सबसे पहला और महत्त्वपूर्ण हिस्सा, जिसे इंट्रो भी कहा जाता है। • कम शब्दों में घटना की आकर्षक जानकारी 2. दृश्य-श्रव्य माध्यमों की तुलना में मुद्रित माध्यम के पाठकों को कौन-कौन सी सुविधाएँ उपलब्ध हैं ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • स्थायित्व • समय और रुचि के अनुसार पढ़ने की सुविधा • लंबे समय तक सुरक्षित रखने और संदर्भ की तरह इस्तेमाल करने की सुविधा • चिंतन-मनन और विश्लेषण करने की सुविधा 3. पत्रकारिता की भाषा में 'डेड लाइन' से आप क्या समझते हैं ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाचार पत्र और पत्रिकाओं में प्रकाशन की सामग्री स्वीकार करने की समय-सीमा 4. फीचर लेखन का निश्चित ढाँचा या फार्मूला नहीं होता, फिर भी एक सजीव रोचक फीचर कैसे लिखा जा सकता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रारंभ आकर्षक और उत्सुकतापूर्ण • विषयानुकूल चित्र/ ग्राफिक्स रेखांकन का प्रयोग • प्रारंभ, मध्य और अंत का पारस्परिक अंतर्संबंध • ज्ञान और सूचना के साथ मनोरंजन 5. क्या पत्रकारीय लेखन को जल्दी में लिखा गया साहित्य माना जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।	1/2/3	वार्षिक	2025

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • नहीं, क्योंकि :- • पत्रकारीय लेखन का संबंध समसामयिक और वास्तविक घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों से • पत्रकारीय लेखन पाठकों की रुचि और जरूरतों को ध्यान में रखकर लिखा जाने वाला तात्कालिक लेखन 6. स्तंभ लेखन के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • स्तंभ लेखन- निश्चित शीर्षक में विशिष्ट लेखक द्वारा नियमित वैचारिक लेखन • दैनिक/ साप्ताहिक/ पाक्षिक या मासिक लेखन • लेखक को विषय चुनने एवं अपने विचार प्रकट करने की पूर्ण छूट • लेखक और उनके स्तंभों के नाम से प्रकाशित, जैसे 'जनसत्ता' में अशोक वाजपेयी का स्तंभ कभी-कभार' 7. फ़ीचर लेखन की शैली समाचार लेखन की शैली से अलग होती है। पुष्टि कीजिए। (कोई तीन बिंदु लिखिए) सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • फीचर लेखन में आत्मनिष्ठता जबकि समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर बल • फीचर लेखन अधिकांशतः कथात्मक शैली में, समाचार लेखन उल्टा पिरामिड शैली में • फीचर की भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मनग्राही, समाचार लेखन की भाषा में सपाटबयानी • फीचर 200 से 2000 शब्दों में, समाचारों की शब्द सीमा तय 8. किसी अख़बार में पाठकों का अपना स्तंभ कौन-सा होता है? इसकी आवश्यकता क्यों होती है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • संपादक के नाम पत्र- सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रत्येक अख़बार में विभिन्न शीर्षकों से प्रकाशित पाठकों का अपना कोना			

• अखबार का स्थायी स्तंभ • पाठकों द्वारा अपने मुद्दे उठाने हेतु • जन समस्याओं पर ध्यान खींचने हेतु • जनमत का प्रतिबिम्ब 9. 'संपादक के नाम पत्र' जैसे कॉलम किसी अखबार के लिए जरूरी स्तंभ क्यों होते हैं? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • जनमत की अभिव्यक्ति • पाठकों का अपना कोना • अखबार के आलेखों पर राय • अपने मुद्दों की ओर ध्यान खींचना • अखबार से जुड़ाव और अपनी जगह से जुड़ाव • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत करने का अवसर 10. समाचार लेखन में छह ककारों का क्या महत्त्व है? समाचार के मुखड़े और बॉडी का ब्यौरा देते हुए स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • छह ककारों को ध्यान में रखकर ही किसी घटना या समस्या से संबंधित खबर लिखा जाना (क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे और क्यों) • मुखड़ा-- क्या, कौन, कब और कहाँ के आधार पर मुख्य सूचनाएँ • बॉडी--कैसे और क्यों का विस्तार 11. समाचार-लेखन की 'उलटा पिरामिड शैली' को विस्तार से समझाइए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाचार लेखन की लोकप्रिय, बुनियादी और उपयोगी शैली । • इंट्रो या मुखड़ा:-महत्वपूर्ण तथ्यों, सूचनाओं, घटनाओं को सबसे पहले लिखना • बॉडी:-कैसे और क्यों का विश्लेषण • समापनः-सबसे कम महत्त्व की बात सबसे आखिर में			

12. एक अच्छे और रोचक फ़ीचर लेख में क्या-क्या होना चाहिए? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रारंभ आकर्षक और उत्सुकतापूर्ण • प्रारंभ, मध्य और अंत में पारस्परिक संबंध • विषय और विचारों में तारतम्यता • फोटो, रेखांकन और ग्राफिक्स 13. समाचार लेखन में किन छह ककारों का जवाब देने की कोशिश की जाती है? उनका समाचार लेखन में क्या महत्त्व है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे महत्त्व :- • सूचनात्मक और तथ्यात्मक क्या, कौन, कहाँ, कब, • विवरणात्मक और व्याख्यात्मक- क्यों, कैसे • इन्हीं से मिलकर समाचार बनना 14. एक अच्छे फ़ीचर लेखन के लिए आवश्यक बिन्दुओं की चर्चा कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठः-इन तीन बिंदुओं का होना अनिवार्य • तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित कथात्मक विवरण • भाषा-सरल, रूपात्मक एवं आकर्षक • भावनाओं और विचारों का सम्यक प्रयोग 15. एंकर बाइट किसे कहते हैं? टेलीविज़न पत्रकारिता में इसका क्या महत्त्व है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • एंकर बाइट-घटना की सूचना और दृश्य दिखाने के साथ • घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित व्यक्तियों के कथन महत्त्व – • खबर को प्रमाणिकता प्रदान करना			

16. पत्रकारीय साक्षात्कार और सामान्य बातचीत में क्या अंतर है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सामान्य बातचीत भावनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम, जबकि पत्रकारीय साक्षात्कार में संबंधित व्यक्ति से जुड़े तथ्यों, राय और विचारों को सामने लाना • पत्रकारीय साक्षात्कार का एक स्पष्ट मकसद और ढाँचा जबकि सामान्य बातचीत के लिए किसी मकसद या ढाँचे की आवश्यकता नहीं • सामान्य बातचीत अनौपचारिक जबकि पत्रकारीय साक्षात्कार औपचारिक			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
17. रेडियो समाचार की संरचना किस शैली में की जाती है? इस शैली में सूचनाओं को प्रस्तुत करने का क्या क्रम होता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • उलटा पिरामिड शैली में • महत्वपूर्ण तथ्य सबसे पहले लिखा जाना • घटते हुए क्रम में सूचनाओं को लिखा जाना • क्लाइमेक्स शुरू में होना 18. अखबारों और पत्रिकाओं के लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सरल और बोधगम्य भाषा • बोलचाल की भाषा • संप्रेषणीय तथा प्रभावी भाषा • वाक्य छोटे, स्पष्ट, सरल • व्याकरण-सम्मत भाषा 19. रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए? (किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए) सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सरल और बोधगम्य	1/2/3	पूरक	2025

• बोलचाल की भाषा • संप्रेषणीय तथा प्रभावी भाषा • वाक्य छोटे, स्पष्ट, सरल 20. दूरदर्शन समाचार वाचक के दो गुण बताइए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • भावानुकूल अभिव्यक्ति • उच्चारण शुद्ध, मधुर, सहज और स्पष्ट • दृश्यों और शब्दों में तारतम्यता 21. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं? उनका संक्षिप्त विवरण दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं- • पूर्णकालिक पत्रकार-किसी समाचार संगठन में नियमित वेतनभोगी पत्रकार • अंशकालिक पत्रकार-किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार • स्वतंत्र/फ्रीलांसर पत्रकार- किसी खास अखबार से संबंध न रखने वाला, भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबार के लिए लिखने वाला पत्रकार 22. फीचर किसे कहते हैं ? इसके लिखने में शब्दों की कितनी सीमा होती है? इसकी विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना, मनोरंजन करना • 250 शब्दों से 2000 शब्दों तक की सीमा • हलके-फुलके विषय से लेकर गंभीर मुद्दों पर सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, घटनापरक, यांत्रिक, प्राकृतिक, यात्रापरक आदि 23. पत्रकारीय लेखन और साहित्यिक लेखन में क्या अंतर है?			

सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पत्रकारीय लेखन वास्तविक घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों पर आधारित, साहित्यिक लेखन यथार्थ और कल्पना पर • पत्रकारीय लेखन में तात्कालिकता और पाठकों की रुचियों व जरूरतों का महत्त्व. साहित्यिक लेखन के लिए यह अनिवार्य नहीं • पत्रकारीय लेखन में शब्द सीमा, साहित्यिक लेखन में इसकी अनिवार्यता नहीं 24. ब्रेकिंग न्यूज़ किसे कहते हैं? ब्रेकिंग न्यूज़ का लाभ जनसंचार के किस माध्यम में प्राप्त होता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • निर्धारित कार्यक्रम को रोककर तुरंत घटित घटना को विशेष ख़बर के रूप में कम-से-कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाना • माध्यम-दूरदर्शन 25. पत्रकारिता में साक्षात्कार का क्या महत्त्व है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाचार माध्यमों में साक्षात्कार का विशेष महत्व • साक्षात्कार के माध्यम से समाचार, फीचर, विशेष रिपोर्ट आदि पत्रकारीय लेखन के लिए विषयवस्तु का उपलब्ध होना • साक्षात्कारकर्त्ता द्वारा व्यक्ति विशेष से संबंधित तथ्य, राय, भावनाएँ, अनुभव आदि जानने के लिए प्रश्न पूछना • साक्षात्कार का एक स्पष्ट उद्देश्य और ढाँचा			

पाठ 5 – विशेष लेखन-स्वरूप और प्रकार

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. बीट किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया गया काम का बँटवारा • उदाहरण: खेल क्षेत्र में रुचि व जानकारी रखने वाला संवाददाता अपने शहर या क्षेत्र में होने वाली खेल-गतिविधियों की रिपोर्टिंग के लिए ज़िम्मेदार व जवाबदेह (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	1/2/3	वार्षिक	2025
2. समाचार पत्र-पत्रिकाओं में विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से संबंधित जानकारी को क्यों शामिल किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • समाचार पत्र-पत्रिकाओं में संपूर्णता लाने हेतु • विविधता और व्यापक कलेवर हेतु • पाठकों की अलग-अलग रुचियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों की निरंतर और पर्याप्त जानकारी देने हेतु			
3. 'खोजी रिपोर्ट' और 'इन डेप्थ रिपोर्ट' के अंतर को स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • खोजी रिपोर्ट: मौलिक शोध और छानबीन के द्वारा सार्वजनिक तौर पर अनुपलब्ध सूचनाओं और तथ्यों को प्रकाश में लाने वाली रिपोर्ट। जैसे: किसी भी क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों को प्रकाश में लाने वाली खबर । • इन डेप्थ रिपोर्टः सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध, सूचनाओं और तथ्यों की गहरी छानबीन कर किसी घटना, समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं को प्रकाश में लाने वाली रिपोर्ट।			
4. आर्थिक मामलों के पत्रकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती किसे माना जाता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु-			

- आर्थिक जगत से जुड़ी तकनीकी शब्दावली को आम लोगों की समझ में आने लायक बनाना
- आर्थिक जगत की गहन जानकारी रखने वाले पाठक वर्ग को भी संतुष्ट रखना

5. विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग कैसे है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- सामान्य लेखन की भाषा आम बोलचाल की भाषा, विशेष लेखन सामान्य लेखन से हटकर लिखा गया विशेष लेख जिसकी अपनी विशेष तकनीकी शब्दावली
- उदाहरण:-
  - कारोबार और व्यापार जगत से जुड़ी खबरों में ब्याज दर, मुद्रास्फीति, आयात-निर्यात आदि शब्दों का प्रयोग
  - पर्यावरण से जुड़ी खबरों में ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु-परिवर्तन आदि शब्दों का प्रयोग

6. जन-संचार माध्यमों को समाचारों से अलग हटकर विविध क्षेत्रों या विषयों के बारे में भी जानकारी क्यों देनी पड़ती है?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- पाठकों, श्रोताओं और दर्शकों की रुचि की विविधता के कारण
- विषयगत अनेकरूपता लाने के लिए
- सम्पूर्णता लाने हेतु
- कलेवर के विस्तार हेतु

7. अगर आप किसी 'बीट' के पत्रकार बनना चाहते हैं तो उसके लिए किस प्रकार की विशेषज्ञता चाहिए ?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- क्षेत्र विशेष का ज्ञान व रुचि
- उस क्षेत्र की जानकारियों से स्वयं को अपडेट रखना
- नई सूचनाओं के साथ ऐतिहासिक महत्व की घटनाओं को याद रखना

• क्षेत्र विशेष की तकनीकी शब्दावली का ज्ञान 8. पत्रकारिता में विशेषज्ञता से आप क्या समझते हैं? वह कैसे प्राप्त की जा सकती है? उसकी आवश्यकता क्यों है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने के बाद भी उस विषय में जानकारी और अनुभव के आधार पर अपनी समझ को इस सीमा तक विकसित करना कि उस विषय अथवा क्षेत्र में घटने वाली घटनाओं तथा मुद्दों की सहजता से व्याख्या की जा सके एवं पाठकों के लिए उनके मायने स्पष्ट किये जा सकें कैसे:- • विषय विशेष में रुचि और योग्यता होना • विषय विशेष से संबंधित पुस्तकें पढना • विषय विशेषज्ञों के लेखों को संग्रहित करना • विषय विशेष से जुड़े लोगों के संपर्क में रहना आवश्यकताः- • विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीक विश्लेषण करने के लिए 9. विशेष लेखन के कुछ प्रचलित क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए बताइए कि अगर आप उसमें से किसी एक क्षेत्र को चुनते हैं तो आपको कौन-सी तैयारियाँ करनी होंगी। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- विशेष-लेखन के प्रचलित क्षेत्र : • अर्थ-व्यापार, खेल, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिल्म-मनोरंजन, अपराध, सामाजिक मुद्दे, कानून आदि (कम से कम चार का उल्लेख) • विद्यार्थी स्वतंत्र मत से एक क्षेत्र चुनकर उससे संबंधित तैयारियों के विषय में लिखेंगे, अतः सदंर्भगत स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य • जैसे - पर्यावरण के विशेष क्षेत्र को चुना जा सकता है: तैयारी - पर्यावरण को केन्द्र मानकर उच्च अध्ययन, पर्यावरण विज्ञान (EVS)			

में अध्ययन, इससे संबंधित कानूनों की जानकारी, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बारे में जानकारी रखना, समसामयिक पर्यावरण संबंधी समस्याओं और राजनयिक संबंधों पर नज़र 10. 'सोने की कीमतों में आया भारी उछाल' जैसी ख़बर किस विशेष क्षेत्र की है और क्यों ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आर्थिक कारोबार-व्यापार, क्योंकि 'कीमतों में उछाल' जैसी शब्दावली का प्रयोग व्यापार जगत (क्षेत्र विशेष) की तकनीकी शब्दावली 11. वर्तमान समय में समाचार-पत्रों में खेलों को अधिक महत्त्व दिया जाने लगा है, इनके बिना उसे संपूर्ण नहीं माना जाता, क्यों ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • खेलों में बढ़ती रुचि, दिलचस्पी • खेलों से जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार • खेल देश की संस्कृति का अंग • खेलों का उत्सव स्वरूप होना • खेलों में उज्ज्वल भविष्य 12. विशेष लेखन के किन्हीं दो क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए बताइए कि उनमें विशेषज्ञता कैसे हासिल की जा सकती है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • क्षेत्र- आर्थिक, खेल, मनोरंजन, राजनीति, अपराध, पर्यावरण आदि विशेषज्ञता • विषय विशेष में रुचि और ज्ञान • विषय विशेष से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन • क्षेत्र विशेष से स्वयं को अपडेट रखना (अपनी पसंद के किन्हीं दो क्षेत्रों का उल्लेख) 13. स्वयं को एक उत्तम श्रेणी का खेल पत्रकार कैसे बनाया जा सकता है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु-			

• खेलों के विषय में विधिवत अध्ययन कर विशेष ज्ञान से सम्पन्न होकर । • खेलों के क्षेत्र में नित नए अध्ययन, शोध, नियमों से जुड़कर • खेल की तकनीक, उसके नियमों और उसकी बारीकियों से भलीभांति परिचित होना 14. 'विशेष संवाददाता' कौन होता है? उसके कार्यों पर विस्तार से चर्चा कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विशेष संवाददाताः-विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला रिपोर्टर • कार्य अपने क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण कर पाठकों के सामने प्रस्तुत करना 15. 'बीट' को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेष तैयारियों के महत्त्व को समझाइए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • रुचि और योग्यता के आधार पर संवाददाताओं के बीच कार्यक्षेत्र का बँटवारा विशेष तैयारी का महत्व - • समाचार की विश्वसनीयता और वैधता • विशेष क्षेत्र में रुचि का परिष्कार और विशेषज्ञता का लाभ • बीट मिलने के पश्चात् की गई तैयारियों से विशेषज्ञ बनने की राह में सफलता की सम्भावना 16. लेख/आलेख विशेष रिपोर्ट से भिन्न कैसे है? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • लेख में लेखक के विचारों को प्रमुखता जबकि विशेष रिपोर्ट में तथ्यों का विशेष महत्त्व • लेख में लेखक को तथ्यों के साथ अपने विचार प्रस्तुत करने की छूट जबकि विशेष रिपोर्ट पूर्णतः तथ्यों पर आधारित			

• लेख में लेखक द्वारा विश्लेषण और तकों के जरिए अपनी राय प्रस्तुत करना जबकि विशेष रिपोर्ट में तथ्यों की गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या 17. समाचार-पत्र-पत्रिकाओं को कारोबार और अर्थ-जगत से जुड़ी खबरों के बिना संपूर्ण क्यों नहीं माना जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • वर्तमान अर्थ प्रधान युग में अर्थ हर आदमी के जीवन का मूल आधार • जीवन की प्रत्येक गतिविधि आर्थिक फ़ायदे, नफ़ा-नुकसान पर आधारित और इसका संबंध कारोबार और अर्थ-जगत से • कारोबार, व्यापार और अर्थ-जगत के क्षेत्र से संबंधित खबरों में पाठक की रुचि • राजनीति और अर्थव्यवस्था के बीच गहरा संबंध			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
18. विशेष लेखन क्या है? उसे तैयार करने के लिए आधार तत्त्वों को स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन • विशेष लेखन के लिए आधार तत्त्व- • अलग डेस्क और उस पर काम करने के लिए विशिष्ट पत्रकारों का समूह • विषय विशेष में रुचि, विषय का सम्यक व सतत ज्ञान • संबंधित विषय की संदर्भ सामग्री का संकलन • संस्थानों की सूची, विशेषज्ञों के नाम की जानकारी आदि 19. संपादकीय पृष्ठ पर कैसे लेख प्रकाशित होते हैं? किसी एक का संक्षिप्त परिचय दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विचारपरक लेख और आलेख • संपादक का अग्रलेख (सम्पादकीय) • स्तंभ लेखन	1/2/3	पूरक	2025

• फ़ीचर, संपादक के नाम पत्र आदि। 20. विशेष लेखन किस शैली में लिखा जाता है? उस शैली का परिचय दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विशेष लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं • विषय की प्रकृति के अनुरूप शैली • बीट से जुड़े समाचार उलटा पिरामिड शैली में, फीचर, लेख कथात्मक शैली में आदि 21. पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक पत्रकारिता के महत्त्व के बढ़ने के कारणों को स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • अर्थ जनमानस के जीवन का मूलाधार • देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के बीच गहरा रिश्ता होने के कारण • आर्थिक उदारीकरण का बढ़ता प्रभाव • देश में खुली अर्थव्यवस्था लागू होने से अर्थव्यवस्था में व्यापक बदलाव आने के कारण			

(इकाई 2- सृजनात्मक लेखन)

पाठ 6 – कैसे बनती है कविता

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. चित्रकला, संगीतकला या नृत्यकला की तरह कविता लेखन की कला सिखाई क्यों नहीं जा सकती? स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कविता अनुभूतिजन्य नैसर्गिक अभिव्यक्ति • अन्य कलाओं की तरह कविता लेखन में बाह्य उपकरणों (रंग, कूची, कैनवास, वाद्ययंत्रों आदि) की आवश्यकता नहीं • कविता लेखन हेतु देखने की नवीन दृष्टि, पहचानने और प्रस्तुत करने की कला (प्रतिभा) प्रकृति प्रदत्त, जिसे अभ्यास से केवल निखारा जा सकता है। 2. कविता लेखन में छंद से क्या अभिप्राय है ? कविता रचना में इसका महत्त्व स्पष्ट कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • छंद कविता का अनिवार्य तत्त्व । • वर्ण, मात्रा, यति, गति और लय आदि के नियमों के अनुसार पद्य को व्यवस्थित करने की शैली। • महत्त्व : • छंद के अनुशासन से ही लय का निर्वाह • कविता में गेयात्मकता का पुट 3. कविता के प्रमुख घटकों और उन्हें सीखने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • सम्यक भाषा की जानकारी • शब्द - भावानुकूल शब्दों का चयन • छंद - छंद और उसके अनुशासन की जानकारी, मुक्त छंद में भी एक आंतरिक लय	3	वार्षिक	2025

• बिम्ब विधान • अनकहा कहने का कौशल • नवीन दृष्टिकोण आवश्यकता • भावों की काव्य रूप में सम्यक, सुचारु और सशक्त प्रस्तुति हेतु 4. कविता में बिंबों और छंदों की महत्ता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- बिंब • वह शब्द चित्र जो कल्पना द्वारा ऐन्द्रिय अनुभवों के आधार पर निर्मित होता है। जैसे पंत "तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ/विधवाएँ जप ध्यान में मगन/मंथर धारा में बहता/जिनका अदृश्य, गति अंतर-रोदन" दृश्य बिंब • काव्य की संवेदना से जुड़कर रसानुभूति कराना • अमूर्त भावों को बोधगम्य बनाना • काव्य में चित्र जैसी कलात्मकता लाना • काव्य-वस्तु के सम्प्रेषण का सशक्त माध्यम छंद- • कविता की आंतरिक लय के लिए अनिवार्य तत्त्व, जैसे-"पुलकि सरीर सभा भए ठाढ़े, नीरज नयन नेह जल बाढ़े" • कविता में बाह्य अनुशासन हेतु • लय और गेयता हेतु • मानस पटल पर प्रभावी स्थायी छाप 5. आप अपनी पसंदीदा कविता का उल्लेख करते हुए लिखिए कि उसकी संरचना और भावों में ऐसा क्या खास है कि वह आपकी प्रिय कविता है। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • स्वतंत्र उत्तर 6. सबसे पहले कविता शब्दों से खेलने का प्रयास है कैसे? सोदाहरण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु-			

- शब्दों से मेलजोल/खेलना कविता की पहली शर्त
- शब्द भावों को आकार देने का माध्यम
- तुकबंदी के प्रयास से रचनात्मक विकास
- शब्दों के साथ खेलने से उनके भीतर छिपे अर्थ के नए-नए आयामों का खुलना
- उदाहरण:-
- अगर कहीं मैं तोता होता तोता होता तो क्या होता ?
- तोता होता !
- यहाँ 'तोता' का एक सांस्कृतिक और व्यंग्यार्थ है, उसी से अर्थ में गूढ़ता है, ध्वनि 'ता' के दुहराव से कविता सुनने में अलग लगती है।
- (अन्य स्वतंत्र उदाहरण भी स्वीकार्य)

7. 'कविता-लेखन' के संबंध में कौन-से दो मत मिलते हैं? आप स्वयं को किस मत का समर्थक मानते हैं और क्यों ?

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

पहला मत:-

- कविता लेखन की कला सिखाई या बताई नहीं जा सकती क्योंकि काव्य नैसर्गिक भावाभिव्यक्ति का परिणाम है।

दूसरा मतः-

- काव्य लेखन प्रशिक्षण से सिखाया जाना संभव ।

दूसरे भाग के लिए मुक्त उत्तर

8. 'शब्दों से जुड़ना ही कविता की दुनिया में प्रवेश करना है।' कथन के संदर्भ में कविता लेखन में शब्दों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

सांकेतिक मूल्य-बिंदु-

- शब्द कविता के मूल आधार
- कविता लेखन के प्राथमिक उपकरण
- शब्द भावनाओं और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम
- शब्दों से खेलना अर्थात उनसे मेलजोल बढ़ाना और उनके अंदर छिपे अर्थ की परतों को खोलना

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
9. "कविता में प्रचलित प्रवृत्तियों की सही जानकारी मिलती है" उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कविता अपने समय विशेष की उपज • उसके घटक, परिवेश और संदर्भों से परिचालित • उसका स्वरूप समय के साथ-साथ परिवर्तित • अतः किसी समय विशेष की प्रचलित प्रवृत्तियों की सही जानकारी भी कविता की दुनिया में प्रवेश के लिए जरूरी • उदाहरण- अकाल और उसके बाद' कविता 10. कविता में बिंब और छंद की क्या उपयोगिता होती है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • शब्दों द्वारा अभिव्यक्त न किए जा सकने वाले भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम बिम्ब • कविता में लय और शब्दगत अनुशासन लाने में छंद सहायक 11. कविता कैसे बनती है ? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • विचारों एवं भावनाओं की अनुभूतिजन्य सहज अभिव्यक्ति से • शब्द, लय, ताल, छंद, बिम्ब, प्रतीक आदि के प्रयोग से • परिवेश के अनुसार भाषा एवं भाव की अभिव्यक्ति से • तादात्म्य अभिव्यंजना से	3	पूरक	2025

पाठ 7 – नाटक लिखने का व्याकरण

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. नाटक के मंच-निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही क्यों लिखे जाते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु – • दर्शक/प्रेक्षक का वर्तमान में ही उपस्थित होना • दर्शक/प्रेक्षक को घटना से अवगत कराना • भूतकाल अथवा भविष्यकाल की घटनाओं को नाटक में वर्तमान काल में ही मंच पर मंचित/ संयोजित/अभिनीत करना • उदाहरण:- ऐतिहासिक या पौराणिक घटनाओं से जुड़ी कहानियों को नाटक के माध्यम से वर्तमान काल में प्रस्तुत करना	3	वार्षिक	2025

2. "स्थिति तथा परिवेश की माँग के अनुसार क्लिष्ट भाषा में भी लिखे गए संवाद दर्शकों तक आसानी से संप्रेषित हो जाते हैं" उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए ।
सांकेतिक मूल्य-बिंदु-
• मानस-अंतः पटल पर स्थायी छाप
• स्थिति, परिवेश और पात्र के अनुरूप प्रयुक्त भाषा से ही भावाभिव्यक्ति
• दर्शकों का पात्रों तथा उसके संवाद से साधारणीकृत होना
• उदाहरण:-
  • महाभारत, रामायण के संवाद
  • जयशंकर प्रसाद के नाटकों के संवाद			

3. नाटक लिखते समय मंचन की दृष्टि से किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कथानक • समय-सीमा • संकलन त्रय-देश, काल और वातावरण			

• रंगमंच और अभिनेयता • पात्रों के अनुकूल संवाद और भाषा-शैली 4. नाटक का वास्तविक अनूठापन उसके 'दृश्य काव्य' होने में ही है, कैसे? तीन बिंदुओं में अपने तर्क लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • दृश्य काव्य होने के कारण साहित्य की अन्य विधाओं से बिल्कुल अलग • साहित्य की अन्य विधाएँ लिखित रूप में ही पूर्णता प्राप्त कर लेती हैं पर नाटक की अंतिम परिणति मंचन में ही निहित • पढ़ने, सुनने के साथ देखने के तत्त्वों को समेटने वाली विधा 5. एक सशक्त नाटक किन तत्त्वों की उपस्थिति से बनता है? सोदाहरण लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • प्रभावपूर्ण कथानक • समय-सीमा • क्रियात्मक, दृश्यात्मक संवाद • देश, काल और वातावरण • रंगमंचीयता और अभिनेयता • नायक, प्रतिनायक की उपस्थिति से उत्पन्न द्वंद्व और टकराहट 6. नाटक की रचना और प्रस्तुति का सबसे सशक्त माध्यम क्या और क्यों है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- क्या :- रंगमंच क्यों:- • रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम • अस्वीकार और टकराहट के मंचन का प्रभावी माध्यम • मंच पर सफल प्रस्तुति के बाद ही नाटक की पूर्णता			

7. यह क्यों कहा जाता है कि नाटक ही एक ऐसी विधा है जो हमेशा वर्तमान काल में घटित होती है। किसी ऐतिहासिक या पौराणिक नाटक के उदाहरण से इसे स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • नाटक एक दृश्य काव्य जिसकी सफलता मंचन पर ही निर्भर, मंच पर प्रस्तुति सदा वर्तमान में • दर्शक का वर्तमान में उपस्थित होना • प्रेक्षक को घटना से अवगत कराना • जैसे 'अंधा युग 8. नाटक और रंगमंच जैसी विधा का सृजन मूलतः अस्वीकार के भीतर से ही होता है। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • रंगमंच प्रतिरोध का सबसे सशक्त माध्यम • असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध और अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्वों के समावेश से ही नाटक का सशक्त बनना • नायक प्रतिनायक की उपस्थिति से नाटक में द्वंद्व का विकास			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
9. नाटक में परस्पर विरोधी विचारधाराओं का संवाद आवश्यक क्यों होता है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम • नाटक में दो विरोधी चरित्रों के विचारों में टकराहट स्वाभाविक • परस्पर विरोधी विचारधाराओं के कारण नाटक में अस्वीकार की स्थिति से रोचकता • द्वंद्व, असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध तथा अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्त्वों की अधिकता से नाटक का सशक्त बनना • द्वंद्व नाटक को गति देने और दर्शक पाठक को अंत तक जोड़े रखने में सहायक	3	पूरक	2025

10. शब्द या भाषा की दृष्टि से नाटककार के लिए क्या ज़रूरी है? **सांकेतिक मूल्य-बिंदु-** • **शब्द नाटक का शरीर** • **संक्षिप्त, सांकेतिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान, जो वर्णित न होकर क्रियात्मक हों** • **शब्दों में दृश्य बनाने की क्षमता, जो शाब्दिक अर्थ से ज्यादा व्यंजना की ओर ले जाए** **11. नाटक के तत्त्वों का उल्लेख करते हुए बताइए कि नाटक में समय का बंधन क्यों होता है?** **सांकेतिक मूल्य-बिंदु-** **नाटक के तत्त्व-** • **कथानक** • **संवाद** • **पात्र और चरित्र-चित्रण** • **देशकाल और वातावरण** • **अभिनेयता** • **उद्देश्य** • **भाषा शैली** **समय का बंधन क्यों -** • **दर्शक को अंत तक बाँधे रखने के लिए** • **नाटक को निश्चित अवधि में सीमित करने के लिए** • **वातावरण को बोझिल होने से बचाने हेतु**			

पाठ 8 – कैसे लिखें कहानी

सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	अंक	परीक्षा	वर्ष
1. कहानी में पात्रों के चरित्र चित्रण का सबसे अधिक प्रभावशाली तरीका कौन सा है ? उदाहरण सहित लिखिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पात्रों के संवाद व क्रियाकलाप • उदाहरण : • 'कफ़न' कहानी में घीसू और माधव का संवाद • सरदी से ठिठुरते हुए व्यक्ति को देखकर किसी पात्र का उसे कंबल दे देना, चाय पिलवा देना आदि। • एक मित्र द्वारा अपनी या दूसरे की समस्या के समाधान के लिए अपने किसी तीसरे मित्र के पास जाना आदि। 2. कहानी का हमारे जीवन से क्या संबंध है? वर्णन कीजिए । सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आदिकाल से ही कहानी मानव जीवन का अभिन्न अंग • प्रत्येक मनुष्य में अपने अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभवों को जानने की सहज और स्वाभाविक प्रवृत्ति • हर आदमी में कहानी कहने का मूल भाव निहित 3. कहानी हमारे जीवन का अविभाज्य हिस्सा क्यों है? अपने अनुभव की किसी कहानी के संदर्भ में उत्तर दीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • आदिकाल से ही कहानी मानव जीवन का अभिन्न अंग • प्रत्येक मनुष्य में अपने अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभवों को जानने की सहज और स्वाभाविक प्रवृत्ति • हर आदमी में कहानी कहने का मूल भाव निहित • (दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) 4. किसी भी कहानी के चरम उत्कर्ष या क्लाइमेक्स से आप क्या समझते हैं? उसका होना आवश्यक क्यों है? दो बिंदुओं में लिखिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु-	3	वार्षिक	2025

• चरम उत्कर्ष/क्लाइमेक्स- कहानी का वह महत्त्वपूर्ण नाटकीय मोड़ जहाँ पाठक की जिज्ञासा/कौतूहल चरमसीमा पर हो। क्यों:- • कथानक को भावनात्मक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए • कथानक में रुचि बनाए रखने और बढ़ाने के लिए • कहानी के प्रभाव को स्थापित करने के लिए • पाठक की जिज्ञासा और कौतूहल बनाए रखने के लिए 5. कहानी के केंद्रीय बिंदु को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कहानी-लेखन में किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • केन्द्रीय बिंदु - कथानक/कथावस्तु । प्रारंभ से अंत तक कहानी की सभी घटनाओं और पात्रों की संक्षिप्त रूपरेखा ध्यान रखने योग्य बातें:- • कहानी का प्रारंभिक नक्शा या कथानक की रूपरेखा बनाना • कथानक में प्रारंभ, अंत और मध्य के साथ द्वंद्व की रचना • कथानक के अनुसार संवाद और पात्रों की सर्जना • क्लाइमेक्स पर विशेष ध्यान 6. कहानी में पात्रों का महत्त्व स्पष्ट करते हुए अपनी किसी पसंदीदा कहानी के प्रमुख पात्र की चर्चा करते हुए लिखिए कि कहानीकार ने उसकी रचना में किन बातों का विशेष ध्यान रखा है। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • पात्र कहानी का जीवंत तत्त्व • कहानी पात्रों पर निर्भर • पात्रों से ही घटनाक्रम का विकास (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए स्वतंत्र उत्तर) जैसे 'संवदिया' कहानी में हरगोबिन मुख्य पात्र, कहानी के प्रत्येक घटनाक्रम में मौजूद, उसके भीतर की कोमलता और संवेदनशीलता की प्रभावशाली प्रस्तुति			

7. कहानी को रोचक बनाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है? पढ़ी हुई किसी कहानी के उदाहरण से अपनी बात स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कहानी की रोचकता – कथानक और उसमें प्रयुक्त देशकाल, वातावरण, स्थान, पात्र, संवाद आदि से संभव • कथानक में द्वंद्व और क्लाइमेक्स/चरम उत्कर्ष का ध्यानपूर्वक चित्रण कहानी की रोचकता के लिए आवश्यक (किसी भी कहानी का उदाहरण स्वीकार्य) 8. कहानी लेखन में संवादों का क्या महत्त्व है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कहानी को गति प्रदान करना • पात्रों के चरित्र-चित्रण में सहायक • पात्रों के मनोंभावों को व्यक्त करने में सहायक • पात्रों को कहानी में स्थापित एवं विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका • कथाकार की प्रतिक्रिया या कहानी की कोई घटना जिसे दिखाया न जा सके, संवादों के माध्यम से प्रस्तुति • पात्रों की विभिन्न स्थितियों का परिचय संवादों से ही			
सांकेतिक मूल्य-बिंदु के साथ प्रश्न	**अंक**	**परीक्षा**	**वर्ष**
9. कहानी का केन्द्र बिन्दु क्या होता है ? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कहानी का केंद्र बिन्दु--कथानक • प्रारंभ, मध्य और अंत तक की सभी घटनाओं का मूलाधार • कथानक कहानी का प्रारंभिक नक्शा • कहानी के अन्य तत्त्व कथानक पर ही आधारित 10. किसी कहानी में संवादों का क्या महत्त्व है? स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • संवादों के बिना पात्रों की कल्पना मुश्किल • संवाद पात्रों के मनोभावों को व्यक्त करने में सहायक • संवादों से ही कहानी को गति मिलना व पात्रों का चरित्र निर्धारण	3	पूरक	2025

• पाठकों की रुचि बढ़ाने और बनाए रखने में संवाद सहायक • कहानी को भावनात्मक ऊँचाइयों पर ले जाने में संवाद जरूरी 11. कहानी क्या है ? कहानी को प्रामाणिक और रोचक बनाने के लिए किन चीज़ों का ध्यान रखना आवश्यक है ? सांकेतिक मूल्य-बिंदु- • कहानी जीवन के किसी अंश/घटना/पात्र की कलात्मक अभिव्यक्ति । • प्रामाणिक, रोचक बनाने हेतु- • कथानक, पात्र, संवाद, द्वंद्व, देशकाल और वातावरण, चरम उत्कर्ष, भाषा-शैली और उद्देश्य की प्रभावपूर्ण प्रस्तुति			